तापमान

अधिकतम 29.2 डिग्री

न्यूनतम 15.4 डिग्री

हरिभूमि

इस्पात भूमि

रायपुर, शुक्रवार, 28 नवंबर 2025

14 नेशनल लोक अदालत की तैयारियां शुरू, वित्तीय संस्थाओं के अधिकारियों के साथ हुई बैठक

16 बिजली बिल की बढ़ोत्तरी, युवा कांग्रेस ने निकाली मशाल रैली

भिलाई | दुर्ग | भिलाई-3 | कुम्हारी | जामुल | उतई | सेलूद | पाटन | अहिवारा | मुरमुंदा | धमधा | अण्डा | जामगांव - आर

न्यू

ओम ज्वेलर्स

हर 6000/- की खरीदी पर एक चांदी का सिक्का फ्री

शुद्ध सोने एवं चांदी के जेवरों के विक्रेता

टोटल हालमार्क ज्वेलरी उपलब्ध

जवाहर मार्केट, मेन सर्विस रोड, पावर हाऊस, भिलाई SUNDAY OPEN

शुभ खरीदी के लिए ओम ज्वेलर्स परिवार में आपका स्वागत है

▪ मिनीमम एमाउंट में बुकिंग करें ▪ जितना सोना उतना चांदी फ्री

संबंधित प्रतिष्ठान : ओम ज्वेलर्स

शॉप नं. 64 बी इंदिरा मार्केट, दुर्ग | बाजार चौक, कुम्हारी | रिसाईपारा, धमतरी

खबर संक्षेप

ट्रांसपोर्ट नगर में खुलेगा अहाता, आवेदन 2 से

दुर्ग। 2025-26 की शेष अवधि एवं 2026-27 के लिए व्यवस्थापन से शेष रहे देशी एवं विदेशी मदिरा की फुटकर दुकानों के अहाता ट्रांसपोर्ट नगर दुर्ग में अनुमति की प्रक्रिया ऑनलाइन प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। इसके लिए आवेदन जमा करने की तिथि 2 दिसम्बर को सुबह 10.30 बजे से प्रारंभ होगी, जो 24 घंटे और सप्ताह के सभी सातों दिन अनवरत जारी रहेगी। आवेदक ऑनलाइन आवेदन पर कर सकते हैं। सहायक आयुक्त आबकारी ने बताया कि लाइसेंस का आवंटन छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम, 1915 एवं इसके अधीन बनाए गए छत्तीसगढ़ आबकारी देशी/विदेशी मदिरा की फुटकर बिक्री के अनुज्ञापनों के व्यवस्थापन नियम, 2018 (संशोधित) के अंतर्गत किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि अहाता को लेकर शासन से अनुमति मिल चुकी है। इसके बाद भी अहाता निर्माण को लेकर तैयारी शुरू की गई है। 2 से 9 दिसंबर तक आवेदन लिए जाएंगे। इसके बाद आवेदनों की छंटनी होगी। ड्रा के आधार पर अनुमति जारी की जाएगी।

पटेल चौक से ग्रीन चौक मार्ग की कीमत 1.55 लाख वर्गमीटर, कादम्बरी नगर क्षेत्र 50 हजार प्रतिवर्गमीटर

जमीन की खरीदी-बिक्री हो गई महंगी, बाजार मूल्य में औसतन 8 गुना तक हुई बढ़ोत्तरी, गांवों में भी बढ़े दाम

ग्रामीण क्षेत्रों में जमीनों के बाजार मूल्य में बेतहाशी बढ़ोत्तरी, आसान नहीं रहे खरीदी

अतुल अग्रवाल ⏭दुर्ग

जमीन की खरीदी-बिक्री शुल्क और बाजार मूल्य को लेकर नई कलेक्टर गाइड लाइन जारी कर दी है। इसकी वजह से जमीन की कीमतें 5-9 गुना बढ़ गई हैं।

दुर्ग-भिलाई सहित ग्रामीण क्षेत्रों में बाजार मूल्य में बेतहाशा बढ़ोत्तरी की गई है। एक अनुमान के मुताबिक जिस जमीन की कीमत पहले 10 लाख रुपए थी, वह अब 70 लाख रुपए हो गई है। यानी रजिस्ट्री शुल्क, स्टाम्प और अन्य टैक्स पहले से कई गुना ज्यादा लगेंगे। आप जमीन किसी भी दाम में खरीदें और बेचें, लेकिन शुल्क और बाजार मूल्य के हिसाब से ही शासन को टैक्स देना होगा। बता दें कि बड़े प्लॉट का मूल्य सड़क के पास और अंदर के हिस्सों के हिसाब से अलग-अलग निर्धारित किया गया है। पहले दूरी कम थी, जिसे बढ़ा दिया गया है। इससे भी दामों में बढ़ोत्तरी हुई है। हरिभूमि पड़ताल में खुलासा हुआ है कि इसका सबसे ज्यादा असर किसानों और जमीन की खरीदी-बिक्री में लगे लोगों को पड़ने वाला है। शासन ने बाजार मूल्य में तो बढ़ोत्तरी कर दी है, लेकिन मौके पर जमीन की उतनी कीमत ही नहीं है। इससे खरीदार और बेचने वाले दोनों ही आर्थिक भार को लेकर हिचकिचाएंगे। वहीं जिन लोगों ने पहले से जमीनों का सौदा कर रखा है, उनकी दिक्कतें बढ़ गई हैं। बाजार भाव और सरकारी कीमत में बड़ा अंतर हो गया था। पहले सरकार जमीन का मूल्य (बाजार मूल्य) निकालते समय 30% कम कर देती थी। यानी अगर किसी जमीन का बाजार मूल्य 10 लाख है, तो रजिस्ट्री के समय इसे 30% कम कर दिया जाता था। यानी 10 लाख का सिर्फ 70% (7 लाख) माना जाता था। इसी कम किए गए मूल्य पर जमीन पर 4% और 75 लाख तक के मकानों पर 2% पंजीयन शुल्क लिया जाता था। अब सरकार ने 30% की छूट खत्म कर दी है। 100% मूल्य ही गिना जाएगा, लेकिन पंजीयन ड्यूटी (4% और 2%) अभी भी वही रखी है, कम नहीं की गई।

हरिभूमि एक्सक्लूसिव

नए नियमों में जमीन को दो हिस्सों में बांटकर दरों का किया निर्धारण

अधिकारियों ने बताया कि नए नियमों के अनुसार पहले नगरीय क्षेत्र (नगर निगम/नगर पालिका/नगर पंचायत) में जमीन की कीमत एक ही तरीके से निकाली जाती थी। लेकिन अब एक ही जमीन को दो हिस्सों में बांटकर दो अलग-अलग दरों से मूल्यांकन किया जा रहा है। इससे जमीन का कुल मूल्य बहुत ज्यादा बढ़ जाएगा, यह लगभग 7 गुना से 9 गुना तक होगा। यानी जो जमीन 10 लाख थी, उसकी कीमत 70 लाख तक हो चुकी है। जहां रजिस्ट्रेशन शुल्क 70 हजार लगता वो 7 लाख लगेगा। सरकार का मानना है कि एक हिस्सा सड़क के पास और दूसरा हिस्सा भीतरी और दोनों का अलग-अलग रेट लगेगा। इससे हुआ यह है कि सड़क वाला हिस्सा बहुत महंगे रेट पर बिकेगा। इससे उसकी कुल कीमत बहुत बढ़ जाती है।

गांव की हर सड़क मेन रोड मानी जाएगी, इसके हिसाब से दर की गई तय

नई गाइड लाइन में कहा गया है कि ग्रामीण क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य मार्ग, मुख्य जिला मार्ग, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क, मुख्यमंत्री ग्राम सड़क और पीडब्लूडी की बनी सड़क सभी मुख्य मार्ग मानी जाएंगी। यानी अब गांव में बनी ज्यादातर पक्की सड़कें मुख्य सड़क के रूप में गिनी जा रही हैं। जमीन का रेट (गाइडलाइन वैल्यू) अक्सर मुख्य सड़क के पास होने के हिसाब से बहुत ज्यादा माना जाता है। गांव में सिर्फ 1-2 मुख्य सड़कें होती थीं। उन्हीं के पास जमीन का रेट ज्यादा होता था। मान लीजिए कि इनका रेट 10 लाख, एकड़ और अंदर की जमीन का रेट 3 लाख एकड़ था। लेकिन नया नियम कहता है चाहे गांव के बीच की छोटी सड़क ही क्यों न हो उसे भी मुख्य मार्ग माना जा रहा है। इससे गांव की लगभग हर सड़क मुख्य सड़क बन जाएगी। और हर जमीन का रेट मुख्य सड़क रेट जैसा बढ़ जाएगा।

आवास में कराया बोर तो देना होगा 85 हजार, विजिट पर्ची 25 हजार की कटेगी

जावेद खान बताते हैं कि 31 मार्च 2024 के बाद से पूर्व की सरकार द्वारा कलेक्टर गाइड लाइन मूल्य में जो तीस प्रतिशत की छूट दी जा रही थी, उसे खत्म कर दिया गया, जिस से स्टाम्प ड्यूटी महंगी हो गई। आवास के लिए पंजीयन शुल्क को चार प्रतिशत कर दिया। होम विजिट की दर जो पूर्व मे 1200 की पर्ची कटानी होती थी, उसे 25 हजार कर दिया गया। आवास के पंजीकरण मे अगर आवास मे बोर करवाया है तो उसके एवज मे पंजीयन विभाग को एक मुश्त 85000 रुपए देने होंगे। आवास मे निर्मित संरचना पर कालम और बिना कालम की कंडिका को हटा कर फ्लैट 1150 रुपए स्क्वायर फीट कर दिया गया है, जिस से की रजिस्ट्री काफी महंगी पड़ेगी। जमीन की गाइड लाइन मूल्य बढ़ाने से बैंक अब ज्यादा लोन देंगें, जब कि बैंक पहले से ही मार्केट वैल्यू देख कर ही लोन देता है।

दुर्ग में इंदिरा मार्केट क्षेत्र की जमीन सबसे महंगी, बाजार मूल्य 1.55 लाख वर्गमीटर

जमीन कारोबार से जुड़े राहुल शर्मा बताते हैं कि शासन द्वारा जारी दरों की मानें तो दुर्ग शहर में सबसे महंगी जमीन इंदिरा मार्केट की हो गई है। इस समय पटेल चौक से ग्रीन चौक तक मुख्य सड़क 1.55 लाख वर्गमीटर तय की गई है। इंदिरा मार्केट के आसपास की जमीन का दाम भी 1.55 लाख तय है। इसी प्रकार दीपक नगर में 70 हजार, मालवीय नगर से स्टेशन रोड 80 हजार, कन्हैयापुरी से महाराजा चौक 45 हजार, उतई टैम्पो स्टैंड से जेल रोड 60 हजार, पद्मनाभपुर 35 हजार, कादम्बरी नगर 50 हजार, पंचमुखी हनुमान मंदिर से तमेरापारा 45 हजार रुपए प्रतिवर्गमीटर तय ही। इस प्रकार औसतन हर जगह पर 4 से 7 गुना तक बढ़ोत्तरी की गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में हेक्टेयर के हिसाब से मूल्य निर्धारण किया गया है। बोरई में 1.49 करोड़ प्रति हेक्टेयर, कोटनी 75.20 लाख, नगपुरा 2.32 करोड़, अंजोरा 66.70 लाख, जेवरा-सिरसा 3.57 करोड़, ननकट्टी 2.57 करोड़, महमरा 1.08 करोड़ रुपए निर्धारित की गई है। इस प्रकार 200 से 300 प्रतिशत तक बाजार मूल्यों में बढ़ोत्तरी की गई है।

आरोपी की तलाश में जुटी खुर्सीपार पुलिस

गर्भवती महिला पर कटर से हमला पेट पर मारी लात, अपराध दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

एक गर्भवती महिला पर हमले की खबर सामने आई है। पुलिस ने अपराध दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। मामला खुर्सीपार थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के अनुसार शिवाजी नगर में रात करीब 10 बजे दंपती अपने आंगन में बैठे थे। तभी मोहल्ले का एक युवक अचानक गाली-गलौज करने लगा और मना करने पर विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। गर्भवती महिला पर अचानक हमला कर आरोपी युवक मौके से फरार हो गया। पुलिस के मुताबिक शिकायतकर्ता गुंजा देवी (22 वर्ष) ने बताया कि आरोपी मुर्गेश नायर पहले उनके पति रौशन को गालियां दे रहा था। जब गुंजा ने बीच में दखल दिया, तो उसने अचानक कटर से हमला करने की कोशिश की। कटर हाथ पर लगने के बाद आरोप है कि युवक ने गुंजा के पेट पर लात मार दी, जबकि वह 9 माह की गर्भवती है। घटना के बाद आरोपी मौके से भाग गया। पेट में चोट लगने के बाद उन्हें तेज दर्द हुआ और परिजनों ने तुरंत अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद महिला को निगरानी में रखा है। महिला की हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है, लेकिन घटना के बाद परिवार सहमा हुआ है। आसपास के लोगों का कहना है कि आरोपी अक्सर इलाके में विवाद करता रहता था और इस वारदात ने मोहल्ले में डर का माहौल पैदा कर दिया है। खुर्सीपार पुलिस ने इस मामले में बीएनएस की धाराएं 115 (2), 296, 351 (3) के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की कर दी है। पुलिस टीम रात से ही आरोपी की तलाश में जुटी है और आसपास के इलाकों में भी पूछताछ जारी है।

▪ मोहल्ले में डर का माहौल पुलिस से की शिकायत

नेवई ओवरब्रिज के पास कर रहे थे स्टंट

तेज रफ्तार में स्टंटबाजी करने वाले पांच युवक गिरफ्तार, कार भी जब्त

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

ओवरस्पीड में स्टंटबाजी करने वाले 5 युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। युवकों पर धारा 281 बीएनएस 184,66,192,179 एमव्ही एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर न्यायालय में पेश किया गया। मामला नेवई थाना क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार नेवई थाना क्षेत्र में ओवरब्रिज के पास तेज रफ्तार से कार चलाते और स्टंट करते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। वीडियो सामने आते ही पुलिस हरकत में आई और कार चालक ग्राम उमरपोटी निवासी मेराज शाह को गिरफ्तार कर लिया। यह घटना 25 नवंबर की है। कार नंबर सीजी 07 सीएन 6610 को तेज गति, लापरवाही भरे तरीके से चलाते हुए देखा गया था। वीडियो वायरल होने के बाद अगले ही दिन पेट्रोलिंग आरक्षक अरुण मिश्रा ने रिपोर्ट दर्ज कराई। इसके आधार पर पुलिस ने बीएनएस और मोटर व्हीकल एक्ट की धाराओं में अपराध पंजीबद्ध किया। पुलिस को जांच में मेराज शाह कार चला रहा था। पूछताछ के बाद कार में मौजूद चार अन्य युवक रहमान साव उल्लासनगर कोहका भिलाई, अदनान खान निवासी डिप्रापारा दुर्ग, चंदन शाह निवासी स्टेशन मरौदा एचएससीएल कालौनी और हुसैन शाह निवासी जुनवानी को हिरासत में लिया गया।

▪ वीडियो वायरल के बाद पुलिस ने लिया एक्शन

हरिभूमि

जन्मदिन उत्सव महाबम्पर ड्रा

सांत्वना पुरस्कार विजेताओं के नाम

रायपुर संस्करण - 149. विजय कुमार डोंगरे पिता\पति स्व. सेवक राम डोंगरे पता - प्रेम नगर लोधी पारा गुढ़ियारी रायपुर, 150. केशव देवांगन पिता\पति हेमलाल देवांगन पता - बीरगांव वार्ड क्र. 26, 151. गौरव साहू पिता\पति मनी साहू पता - सुदामा नगर टिकरापारा रायपुर, 152. ज्योत्सना चौकीदार पिता\पति स्व. सेवक राम डोंगरे पता - पहाड़ी पारा गुदियारी रायपुर, 153. मनीष साय पिता\पति मोहन साय पता - आर.डी. ए छोटी कॉलोनी टिकरापारा, 154. खूबचंद साहू पिता\पति दीनदयाल साहू पता - भनपुरी रायपुर, 155. अनीता ध्रुवंशी पिता\पति स्व. लक्ष्मी सिंह ध्रुवंशी पता - राधास्वामी नगर रायपुर , 156. संस्कार सोनकर पिता\पति स्व. दीपक सोनकर पता- ब्रम्हदेव कॉलोनी भाटागाँव रायपुर, 157. टिकेश्वर साहू पिता\पति जय प्रकाश साहू पता - बोरिया कला, 158. अनीता पटेल पिता\पति देवसिंह पटेल पता - ग्राम पोस्ट टेकारी (कुंडा), 159. हरीश कुमार साहू पिता\पति नारायण साहू पता-परसदा जोशी, 160. अभिषेक साहू पिता\पति द्वारिका प्रसाद साहू पता-शंकर नगर कोष्टा पारा वार्ड 25, 161. डागेश मंडावी पिता\पति चंद्रहास मंडावी पता-सेहरा डबरी वार्ड 08 कॉलोनी, 162. पुर्वाशी साहु पिता\पति रीकेश कुमार साहु पता- रावन भाटा नगरी, 163. उमभावानी साहू पिता\पति शिवकुमार साहू पता- टेड़ेसरा, 164. झाविश साहू पिता\पति रोमलाल साहू पता-कौरिन भाठा बसंतपुर, 165. निशा साहू पिता\पति नरेन्द्र कुमार साहू पता- टेड़ेसरा राजनादगांव, 166. घनश्याम प्रसाद शर्मा पिता\पति अयोध्या प्रसाद पता- वार्ड न. 11 बेमेतरा, 167. विधान मिश्रा पिता\पति प्रफुल्ल मिश्रा पता- भानुप्रतापपुर, 168. रामपाल साहू पिता\पति स्व. रामेशर साहू पता- घुमका, 169. साक्षी घोस पिता\पति एस. घोस पता- न्यू हाउसिंग वार्ड कॉलोनी जगदलपुर, 170. भामा यादव पिता\पति राकेश कुमार यादव पता-कलेक्ट्रेट कॉलोनी मचेवा, 171. संदीप पाण्डेय पिता\पति रामजी प्रसाद पता- कवर्धा, 172. भाव्या पिता\पति अश्वनी कुमार पता-बुगबड़ा 173. देव सिंह बघेल पिता\पति कपिल राम बघेल पता- बांधापारा कोंडागांव, 174. शिव रानी पिता\पति आर. त्रिमूर्तिय पता- भिलाई सेक्ट -9 हॉस्पिटल, 175. देविका सोनी पिता\पति हरीश कुमार सोनी पता-दुर्ग, 176. देवनाथ देवांगन पिता\पति स्व. कवल सिंह देवांगन पता- म.न. 95 वार्ड न. 56 बघेरा दुर्ग, 177. अशोक सिन्हा पिता\पति दुकालू राम सिन्हा पता- गया नगर दुर्ग, 178. सृष्टि चौधरी पिता\पति स्व. राजेश चौधरी पता- प्लाट न. 4/5 राधिका नगर भिलाई, 179. भारती साहू पिता\पति युवराज साहू पता-EWS 8/2 कोसा नगर दुर्ग, 180. टेरेन्स ठाकुर पिता\पति येदलाल ठाकुर पता- वर्मा हार्डवेयर रामनगर मुक्ति धाम भिलाई, 181. आरुशी टंडन पिता\पति हरीश टंडन पता- राम चौक रामनगर सुपेला भिलाई, 182. गरिमा सिन्हा पिता\पति राजेंद्र प्रसाद सिन्हा पता- सुपेला पांच रास्ता भिलाई, 183. कनक लता दिल्लीवार पिता\पति जनक लाल दिल्लीवार पता-विनायकपुर दुर्ग, **बिलासपुर संस्करण -** 184. प्रहलाद सिंह नेताम, पिता/पति-- दाऊराम नेताम, पता - अश्वग्रीन कॉलोनी, सेंदरी जिला बिलासपुर, 185. अक्जा सिद्दिकी, पिता/पति- फिरोज अहमद सिद्दिकी पता- लिंक रोड बिलासपुर, 186. कृष्ण कुमार यादव पिता/पति- स्व.रामस्वरूप यादव, पता- मगरपारा बिलासपुर, 187. विशेष कुमार महानंद पिता/पति- राजकुमार महानंद, पता- जबड़ापारा सरकंडा, बिलासपुर, 188. रविशंकर मिश्रा पिता/पति- अयोध्या प्रसाद मिश्रा पता- सरकंडा, बिलासपुर, 189. मयंक ऊके पिता/पति- अरविदं ऊके, पता- मगरपारा, बिलासपुर, 190. नीलू कुमारी पिता/पति- स्व. यूवेल कुमार, पता- आधार विद्या मंदिर, तालापारा, बिलासपुर, 191. कुंदन कटैलिहा, पिता/पति- नर्मदा कटैलिहा पता- सदर बाजार, बिलासपुर, 192. नंदलाल कोसले पिता/पति- शिव कुमार कोसले, पता- इमलीभाठा, बंधवापारा, बिलासपुर 193. जे. बी. सिद्दिकी पिता/पति- मो. तौफीक सिद्दिकी, पता- इंद्रपुरी रोड, शांति नगर, तिफरा, बिलासपुर, 194. रितेश जग्गा पिता/पति- नानकराम जग्गा, पता- बिलासपुर 195. चंद्रकली टंडन, पिता/पति- स्व. अशोक कुमार सूर्यवंशी पता- सोनवानी गली, मंझवापारा, बिलासपुर, 196. कौशिल्या शर्मा पिता/पति- स्व.गोधन शर्मा पता- दीनदयाल कॉलोनी, मंगला, बिलासपुर, 197. मंजूलता पटेल पिता/पति- नरेशराम पटेल, पता- मंगला, बिलासपुर, 198. गंगोत्री बाई कौशिक पिता/पति- भगवानीराम कौशिक पता- पेण्डारी, बिलासपुर, 199. स्वाति बाजपेयी पिता/पति- उज्वल बाजपेयी, पता- वार्ड नं. 16, वैशाली नगर, बिलासपुर, 200. सुधीर खंडेलवाल पिता/पति- स्व. विष्णु स्वरूप जी पता- ग्रीन गार्डन कालोनी बिलासपुर, 201. सरिता जायसवाल पिता/पति- दीपक जायसवाल, पता- एल आई जी 47, दीनदयाल कॉलोनी, मंगला बिलासपुर, 202. अशोक सूर्यवंशी पिता/पति- गेंदलाल सूर्यवंशी, पता- राजीव गांधी चौक, जरहाभाठा बिलासपुर, 203. तापस चटर्जी पिता/पति- स्व.एम.चटर्जी, पता- हेमू नगर, बिलासपुर, 204. पायल अग्रवाल पिता/पति- स्व. सी.एल. अग्रवाल, पता- तेलीपारा सरजू बगीचा बिलासपुर , 205. देवहूति चंद्रा पिता/पति- केशवराम चंद्रा पता- कपिल नगर सरकंडा, बिलासपुर, 206. गंगोत्री बाई कौशिक पिता/पति-कोमल प्रसाद कौशिक, पता- हांफा, बिलासपुर, **भोपाल संस्करण -** 207. मनीष प्रजापति पिता\पति - उदमसिंह प्रजापति पता-जगदीशपुर इस्लाम नगर, 208. भूरी बाई पिता\पति - दिनेश कुमार पता-इस्लाम नगर बैरसिया रोड भोपाल, 209. अर्शी शेख पिता\पति - आबिद शेख पता- म न 340 हनीफ कॉलोनी भोपाल, 210. मुकेश सेन पिता\पति- प्रेम नारायण सेन पता-52 ग्राम इस्लाम नगर बैरसिया रोड भोपाल, 211. देवेन्द्र भावसार पिता\पति - जानकी वल्लभ पता- भावसार जीरापुर, 212. रमेशचंद्र राठौर पिता\पति - पन्नालाल राठौर पता- जीरापुर, 213. नेहा पिता\पति - रामचंद्र जीरापुर, 214. कनिष्का राठौर पिता\पति - रामबाबू राठौर पता- आवास कॉलोनी जीरापुर, **जबलपुर संस्करण -** 215. संध्या पिता\पति - विजय उसरेठे कुमार पता- कटनी, 216. तन्मय सेन पिता\पति - रत्नेश सेन पता-भट्टा मोहल्ला मुड़वारा कटनी, 217. शिवांश सिंधिया पिता\पति - अमित सिंधिया पता- डॉ राजेंद्र प्रसाद वार्ड मंडला, 218. विकास मरावी पिता\पति - रेवंत सिंह पता- मरावी आमानाला मंडल, 219. रजनी मरावी पिता\पति - रेवंत सिंह मरावी पता-आमानाला मंडल, 220. राकेश मरावी पिता\पति - रेवंत सिंह मरावी पता-आमानाला मंडल, 221. दिव्यांजली वर्मा पिता\पति - धीरेंद्र कुमार विश्वकर्मा पता-पाली उमरिया, 222.संदीप कुमार द्विवेदी पिता\पति - रमेश प्रसाद द्विवेदी वार्ड नंबर 1 समनापुर अनूपपुर।

नियम एवं शर्तें लागू* शेष विजेताओं की सूची के लिये पढ़ते रहिए हरिभूमि

दुर्ग में ट्रैफिक कंट्रोल प्लान लागू

धान सीजन में भारी वाहनों पर रोक, शाम 6 से 9 बजे तक शहर में एंट्री पर प्रतिबंध

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

पीक ऑवर्स में नहीं चलेंगे भारी वाहन

धान परिवहन सीजन शुरू होते ही दुर्ग में ट्रैफिक पुलिस ने बड़ा कदम उठाया है। ऑपरेशन सुरक्षा के तहत भारी वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित करने का फैसला लिया गया, जिससे पीक समय में ट्रैफिक जाम से बचा जा सके।

गुरुवार को ट्रैफिक मुख्यालय नेहरू नगर में एएसपी ट्रैफिक ऋचा मिश्रा और यातायात निरीक्षक पीडी चंद्रा की मौजूदगी में जिला विपणन अधिकारी और राइस मिल एसोसिएशन के प्रतिनिधियों की बैठक हुई। चर्चा के बाद तय किया गया कि शाम 6 से 9 बजे के बीच शहर के मुख्य मार्गों पर राइस मिल से जुड़े भारी वाहनों का प्रवेश सीमित रहेगा। खासतौर पर गंजपारा से एफसीआई दुर्ग तक भारी वाहन नहीं चलेंगे। पुलगांव चौक से अंडा और एफसीआई दुर्ग से धमधा रोड तक स्थित राइस मिलों को साफ निर्देश दिया गया है कि मिल परिसर के बाहर किसी भी तरह का वाहन खड़ा न हो। सड़क पर ट्रक खड़े होने से जाम की स्थिति बनती है, इसलिए मिल प्रबंधन को पार्किंग व्यवस्था अपने परिसर में ही सुनिश्चित करनी होगी। एएसपी ट्रैफिक ऋचा मिश्रा ने कहा कि नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही सभी विभागों और राइस मिल संचालकों से सहयोग की अपील भी की गई ताकि शहर में यातायात सुचारू रूप से चलता रहे और आम लोगों को परेशानी न हो।

300 से ज्यादा बदमाशों की चेकिंग, 33 पर की गई प्रतिबंधात्मक कार्रवाई

भिलाई। अपराध पर नियंत्रण और असामाजिक तत्वों पर लगाम लगाने दुर्ग जिले में पुलिस ने गुरुवार को तड़के 4 से 7 बजे तक विशेष अभियान चलाकर जिलेभर में चाकूबाजों, गुंडों और निगरानी बदमाशों की चेकिंग की। इस दौरान 340 से अधिक संदिग्धों की जांच और 33 पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई। इस अभियान में 14 चाकूबाज, 220 गुंडे और 106 निगरानी बदमाशों का सत्यापन किया गया। इनमें से 33 के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई है। पुलिस टीम ने कार्रवाई के दौरान बदमाशों को साफ चेतावनी दी कि वे अपराध की गतिविधियों से दूर रहें और सामान्य सामाजिक जीवन अपनाएं। थाना स्तर पर की गई कार्रवाई में नेवई से 3, पुरानी भिलाई से 5, कुम्हारी से 4, उतई से 3, रानीतराई से 9, अमलेश्वर से 4 और नंदिनी नगर क्षेत्र से 2 बदमाशों को प्रतिबंधात्मक धाराओं में बाउंड ओवर किया गया। कुल 11 चाकूबाज, 211 गुंडे और 94 निगरानी बदमाशों की जांच की गई।

खबर संक्षेप

राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा विशेष शिविर का आयोजन

दुर्ग। शासकीय डॉ. वावा पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर, महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का सात दिवसीय विशेष शिविर का उद्घाटन ग्राम कोलिहापुरी में प्राचार्य डॉ. रंजना श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में हुआ। शिविर में प्राचार्य ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना छात्राओं को राष्ट्र के प्रति समर्पण का भाव सिखाता है। तथा घर से दूर रहकर छात्राएं सामाजिक सद्भाव एवं सामंजस्य की शिक्षा प्राप्त करते है। पर्यावरण के प्रति जागरुकता एवं स्वच्छता का संदेश ग्रामीणों तक पहुंचाने का कार्य करते है। माध्यमिक विद्यालय की प्रधानपाठिकासुनीति दुबे ने कहा कि स्वयंसेविकाओं के माध्यम से हमारे विद्यालय के विद्यार्थियों को अनुशासन की प्रेरणा प्राप्त होती है। उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य रामकुमार साव ने छात्राओं द्वारा किये गये स्वच्छता, एवं अध्यापन कार्य की प्रशंसा की। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुषमा यादव ने सात दिवसीय विशेष शिविर में किये जाने वाले बौद्धिक परिचर्चा, श्रमदान, पीटी, योगा, प्रभात फेरी, वृक्षारोपण, स्वास्थ्य शिविर, स्वच्छता जागरुकता के संबंध में प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। छात्राओं ने स्वागत गीत एवं सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। कु. तृप्ति साहू, कु. टिंवकल ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने आभार प्रस्तुत किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. मीनाक्षी अग्रवाल, ग्राम पंचायत के सरपंच ईश्वर साहू, उपसरपंच, पंच, शिक्षकगण एवं ग्रामीण उपस्थित रहें। विमल यादव, विजय चन्द्राकर, खुशबू साहू, कु. चंचल यादव, कु. हुनेश्वरी कीसहभागिता रही।

डाटा सेंटर में अधिकारियों ने दिलाई शपथ

दुर्ग। नपानि आयुक्त सुमित अग्रवाल के अधीनस्थ अधिकारी-कर्मचारियों ने नगर निगम के डाटा सेंटर एवं निगम कार्यालय कार्यपालन अभियंता गिरीश दीवान, भवन अधिकारी प्रकाशचंद थवानी ने अधिकारियों और कर्मचारियों को संविधान की प्रस्तावना के बारे में जानकारी दी और राष्ट्र की एकता बनाए रखने की शपथ दिलाई गई।
26 नवंबर 1949 को संविधान अपनाया गया था, जिसे हर साल संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है। सामूहिक रुप से संविधान की प्रस्तावना की जानकारी दी।

सड़क डामरीकरण की गुणवत्ता पर महापौर अल्का ने दिए सख्त निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

50 लाख से अधिक लागत के डामरीकरण कार्य का महापौर ने लिया जायजा

महापौर अलका बाघमार ने आयुक्त सुमित अग्रवाल के साथ वार्ड 36 एवं 53 में जारी डामरीकरण एवं बीटी रिपेयर सड़क कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया।

■ गुणवत्तापूर्ण डामरीकरण सड़क निर्माण सर्वोपरि

इस दौरान उन्होंने सड़क निर्माण की गुणवत्ता और मजबूती की जानकारी ली। वार्ड 36 में पानी टंकी से मेन रोड तक पुलिस ग्राउंड के पास लगभग 20 लाख की लागत से हो रहे बीटी रिपेयर डामरीकरण कार्य का निरीक्षण किया। वहीं वार्ड 53 में न्यू आदर्श नगर, जोन 3 मार्ग 8 कात्यायनी मंदिर गेट से मुकेश दिल्लीवार के घर तक 39 लाख रुपये की लागत से सड़क निर्माण कार्य का जायजा लिया गया।

महापौर बाघमार ने कार्यस्थल पर सड़क की फिनिशिंग, डामर की मोटाई, लेवलिंग, रोलिंग एवं दोनों किनारों की संरचनात्मक मजबूती की जांच करते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अच्छी और मजबूत सड़कें नागरिकों की सुगमता एवं सुरक्षित यातायात के लिए आवश्यक हैं, इसलिए गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

नालियों व जल निकासी व्यवस्था बनाने के निर्देश

निरीक्षण के दौरान महापौर व आयुक्त ने सड़क की ढलान, जॉइंटिंग, सब-बेस क्वालिटी सहित नालियों एवं जल निकासी व्यवस्था का भी अवलोकन किया। इस दौरान लोककर्म प्रभारी देव नारायण चंद्राकर, पार्षद लोकेश्वरी ठाकुर, ललिता ठाकुर, कार्यपालन अभियंता विनीता वर्मा, उप अभियंता हरि शंकर साहू, विकास दमाहे सहित स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

वार्ड परिक्रमा : समस्याओं का समाधान नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी

वार्ड 22 कुरुद बदहाल, नालियां जाम, सड़कें टूटी हुईं, हर तरफ गंदगी, नहीं दे रहे ध्यान

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

नागरिक हर रोज झेल रहे हैं परेशानी, शिकायत का भी असर नहीं

नगर निगम भिलाई के जोन 2 के वार्ड 22 कुरूद में हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। नालियों पर कब्जा, महीनों से सफाई न होना और सड़कें टूटने की वजह से लोग रोज परेशानी झेल रहे हैं। चंदूलाल चंद्राकर मार्ग की हालत सबसे खराब है। नालियां जाम हैं और गंदा पानी सड़कों पर फैल रहा है। कई इलाकों में बदबू से रहना मुश्किल हो गया है। स्थानीय निवासियों ने इन मूलभूत समस्याओं से जल्द निजात दिलाने की मांग प्रशासन से की है।

कुरूद बस्ती वार्ड में लोग आज भी मूलभूत सुविधाओं के अभाव में परिशानियों से जूझ रहे हैं। कहीं जर्जर सड़क, कहीं बजबजाती नालियां तो कहीं अवैध कब्जों ने वार्ड वासियों का जीना दूभर कर दिया है।

यह समस्याएं रातों रात उत्पन नहीं हुई। लंबे समय से देखरेख के अभाव में यह स्थिति निर्मित हुई है, जिसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि शिकायतें देने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं होती। वार्ड की पार्षद महिला हैं, लेकिन लोगों का आरोप है कि पार्षद के बजाय उनके पति ही सारा कामकाज देखते हैं। पार्षद अक्सर दिखाई नहीं देतीं और समस्याएं जस की तस पड़ी रहती हैं। कुरूद बस्ती के दूसरे हिस्से में नाली नहीं होने से पानी सीधे खेतों में जा रहा है। इससे किसानों को भी नुकसान हो रहा है। हालात इतने खराब हैं कि कुछ महिलाएं कलेक्टोरेट तक पहुंचकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंप चुकी हैं, लेकिन नाली निर्माण और अवैध कब्जों को हटाने की दिशा में अब तक कोई कदम नहीं उठाया गया। वहीं ढांचा भवन दुर्गा मंदिर प्रांगण में शाम होते ही असामाजिक तत्वों का डेरा लगा रहा है। लोगों ने पुलिस गश्ती की मांग की है। वार्ड के लोगों ने महिला पार्षद पर निष्क्रियता का आरोप लगाते हुए जल्द समाधान की मांग की है।

नाली का गंदा पानी नकटा तालाब में मिल रहा है।

दुर्गा मंदिर प्रांगण के पास सड़क बहता गटर का पानी, आवाजाही बंद।

खम्हरिया जानी वाली मुख्य मार्ग जर्जर।

कलेक्टर को ज्ञापन सौंपने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं

दुर्गा मंदिर प्रांगण के पास रहने वाले लोगों का धैर्य अब टूट चुका है। सकीना और अन्य महिलाओं ने बताया कि नालियों पर अवैध कब्जा इतना बढ़ गया है कि पानी सीधे सड़क पर बह रहा है। वर्षों से यही हालत है। पानी जमने से सड़क गटर जैसी बन गई है और आवाजाही बंद हो चुकी है। महिलाएं कई बार शिकायत कर चुकी हैं। कलेक्टर को ज्ञापन सौंपने के बाद निगम की टीम तो पहुंची, लेकिन सिर्फ देख कर लौट गई। काम आज तक शुरू नहीं हुआ। वार्ड वासियों ने चेतावनी दी है कि अगर शीघ्र ही नाली, सफाई और सड़क नहीं सुधरे तो इस बार चुनाव में मतदान से दूरी बनाकर विरोध दर्ज करेंगे।

खेतों में जा रहा नाली का पानी

चंदूलाल चंद्राकर मेमोरियल अस्पताल जाने वाला रास्ता इतना खराब हो चुका है कि उसे देख कर ही पता चलता है कि यहां विकास की कोई परवाह नहीं की गई। सड़क-जगह जगह से टूट चुकी है। उबड़ खाबड़ सतह पर पैदल चलना भी मुश्किल है। मरीजों को अस्पताल पहुंचने में सबसे ज्यादा दिक्कत आ रही है। एंबुलेंस तक धीरे चलने को मजबूर है। समस्या सिर्फ सड़क की नहीं है। थोड़ी दूरी के बाद नाली ही गायब हो जाती है। इसकी वजह से गंदा पानी सीधे सड़क पर फैल रहा है। कई जगह पानी खेतों की ओर बह रहा है, जिससे किसान भी परेशान हैं। धूल की समस्या अलग है। आसपास रहने वाले लोग रोज धूल खा रहे हैं। लगातार उठने वाली धूल और जाम नालियां पूरे इलाके की हालत और खराब कर रही हैं। वाडवासी जल्द से जल्द सड़क और नाली निर्माण की हैं। -**अनिता साहू,** पार्षद वार्ड 22 कुरूद बस्ती

नेशनल लोक अदालत की तैयारियां शुरू, वित्तीय संस्थाओं के अधिकारियों के साथ हुई बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

जिला एवं सत्र न्यायालय में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट दुर्ग की अध्यक्षता में आगामी नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए फाइनेंस कंपनियों के अधिकारियों एवं उनके अधिवक्ताओं के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य लंबित वसूली प्रकरणों तथा परक्राम्य लिखत अधिनियम के अंतर्गत चेक बाउंस के प्रकरणों के प्रभावी निराकरण, आपसी सहमति से समझौता प्रक्रिया को बढ़ावा देने तथा लोक अदालत में अधिकाधिक प्रकरणों के समाधान को सुनिश्चित करना था। न्यायाधीशों ने कहा कि जिन प्रकरणों में समझौते की संभावनाएं हैं, उनमें पूर्व तैयारी कर समझौता प्रस्ताव तैयार किया जाना चाहिए, पक्षकारों से समन्वय स्थापित कर उन्हें लोक अदालत में उपस्थित होने हेतु प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। छोटे ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता ऋण एवं अन्य वसूली संबंधी मामलों में लचीला दृष्टिकोण अपनाते हुए यथासंभव समझौते की दिशा में प्रयास किया जाना चाहिए तथा लोक अदालत में प्रस्तुत किए जाने वाले प्रकरणों की सूची समय से न्यायालय को उपलब्ध कराई जाए। फाइनेंस कंपनियों के अधिकारियों एवं अधिवक्तागण ने उक्त बैठक में इस संबंध में आश्वत किया कि वे लोक अदालत में अधिकाधिक प्रकरणों को निराकरण हेतु प्रस्तुत करेंगे तथा समझौता प्रक्रिया में पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने कहा कि नेशनल लोक अदालत न्याय प्रदान करने का एक सहज एवं सुलभ माध्यम है, जिसके माध्यम से पक्षकार कम समय एवं न्यूनतम खर्च में अपने विवादों का समाधान प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने अपेक्षा व्यक्त की कि इस बार भी अधिक संख्या में मामलों का निराकरण कर न्यायपालिका की इस जनहितकारी पहल को सफल बनाया जाएगा। अंत में बैठक का समापन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग के सचिव द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया। इस अवसर पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट दुर्ग, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग के सचिव, विभिन्न फाइनेंस कंपनियों के अधिकारीगण एवं उनके अधिवक्तागण, प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधिगण, न्यायालय एवं प्राधिकरण के कर्मचारीगण तथा पैरालीगल वालेंटियर्स उपस्थित रहे।

■ मुख्य न्यायाधीश ने ली लंबित मामलों की जानकारी

सुराना कॉलेज में एनसीसी दिवस मनाया

दुर्ग। सेठ आरसीएस आर्ट एंड कॉमर्स कॉलेज में एनसीसी दिवस का आयोजन किया गया । मुख्य अतिथि वीरेंद्र शुक्ला शासी निकाय अध्यक्ष दाऊ ररु प्रसाद विद्यालय थे । मुख्य अतिथि द्वारा माँ सरस्वती की पूजा अर्चना कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। मुख्य अतिथि ने एनसीसी के महत्व एवं उसकी विशेषताओं के बारे में कैडेटों को बताया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि एनसीसी एकता, अनुशासन एवं नेतृत्व के प्रतीक को दर्शाता है। इसके पश्चात कैडेटों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। एकता के प्रतीक स्वरूप सभी राज्यों की विशेषताओं को दर्शाते हुए नृत्य प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम मे महाविद्यालय के एनसीसी सीटीओ पवनदीप कौर, दाऊ ररु प्रसाद विद्यालय से कैप्टन पूनम बघेल, आदर्श कन्या स्कूल से कैप्टन ममता एवं 85 से अधिक एनसीसी कैडेट्स उपस्थित थे ।

डीयू में संविधान दिवस पर लिया संकल्प

दुर्ग। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय में संविधान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माल्यार्पण एवं शपथ ग्रहण से हुआ। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर संजय तिवारी ने संविधान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय संविधान केवल एक विधिक दस्तावेज नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा और लोकतंत्र की आधारशिला है। उन्होंने सभी उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संविधान में निहित मूल्यों, न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व को व्यवहार में उतारने का आह्वान किया। प्रो. तिवारी ने कहा कि कहा कि अधिकार के साथ-साथ हमें अपने कर्तव्य का पालन पहले करना चाहिए यदि हम अपने कर्तव्य का पालन पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ करते है।

लोकतांत्रिक मूल्यों के पक्षधर व निर्बल के बल हैं गांधी के राम : रघु ठाकुर

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

गांधीवादी विचारक और सामाजिक चिंतक रघु ठाकुर सोमवार को भिलाई प्रवास पर पहुंचे। इस दौरान दशहरा मैदान रिसाली स्थित योग परिसर में गांधी जी के राम विषय पर अपना व्याख्यान दिया।

■ दशहरा मैदान रिसाली योग परिसर में कार्यक्रम

उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी समतामूलक समाज लोकतांत्रिक मूल्यों के पक्षधर व निर्बल के बल थे। उन्होंने राम भरत के संवाद को लेकर बताया कि श्री राम अपने राज्य में लोकतांत्रिक मूल्यों की स्थापना करना चाहते थे, और प्रजा में कोई भुखमरी ना हो कानून व्यवस्था बनी रहे एक दूसरे को समान रूप से देखने की बात कही, राजा के अंदर आलोचना को भी सुनने का गुण होना चाहिए और उसे दूर करना चाहिए गांधी अपनी आलोचना सुनते थे और उसे पर प्रति उत्तर भी करते थे।उन्होंने महात्मा गांधी और उनके आश्रम में हुए एक घटना को लेकर कहा कि कस्तूरबा गांधी ने अपने पुत्र मोह में अन्य शिष्यों को छोड़कर अपने पुत्र को घी दे दिया इस बात की शिकायत महात्मा गांधी से की गई तब उन्होंने कस्तूरबा को दंड दिया।

गांधी प्राकृतिक चिकित्सा के पक्षधर थे। तुलसीदास की चौपाइयों को याद करते हुए बताया दैहिक दैविक भौतिक तापा, राम राज नहिं काहुहि ब्यापा, प्रजा को इन तीन कासन से दूर रहना चाहिए यह राजा का कर्तव्य होता है। उक्त अवसर पर तरुणा देशमुख,टीनल हरदेल,श्याम राय,सुरेंद्र कुमार साहू,ऋषि प्रसाद देशमुख, लीलेश्वर देशमुख,दुर्ग जिला अध्यक्ष तोरन लाल देशमुख, कुंवर सिंह देशमुख चुनेश्वर साहू, एसके गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

संविधान दिवस 2025 पर अमृत सरोवरों में विशेष कार्यक्रम आयोजित

एक प्रण, जल संरक्षण के लिए लोगों को भी करेंगे जागरूक

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

संविधान दिवस पर जिले के मनरेगा श्रमिकों, स्व सहायता समूह की महिलाओं, युवाओं एवं ग्रामीणजन ने अमृत सरोवर स्थलों पर संविधान की उद्देशिका का सामूहिक वाचन किया। सभी ने एक प्रण जल संरक्षण की शपथ लेते हुए सरोवर की साफ-सफाई में श्रमदान किया। तटों पर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। जिले में मनरेगा के अंतर्गत अब तक 123 अमृत सरोवर बनाए जा चुके हैं, जिनमें जनपद पंचायत धमधा 50, दुर्ग 36 और पाटन 37 शामिल हैं। इन सरोवरों के माध्यम से जल संरक्षण के साथ-साथ वृक्षारोपण, सिंचाई, सब्जी उत्पादन एवं मत्स्य पालन जैसी आजीविका गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं। अमृत सरोवर स्थलों पर संविधान के मौलिक अधिकारों, कर्तव्यों एवं मूल्यों पर चर्चा की गई। युवाओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए तथा सामूहिक गाद निकासी, पौधारोपण और स्वच्छता गतिविधियों में सभी ग्रामवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

पंचायतों में अलग-अलग कार्यक्रम जागरुकता का दिया संदेश

जिले के अलग-अलग पंचायतों में कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें जागरुकता का संदेश दिया गया। धमधा के ग्राम पंचायत खैरझिटी में सरपंच ढालेश्वरी वर्मा, सचिव रूपेश वर्मा, पूर्व सरपंच मोतीराम वर्मा तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति में कार्यक्रम हुआ। वहीं पाटन के सिकोला में सरोवर नवीनीकरण कार्य एवं जल संरक्षण गतिविधियों में सरपंच गीतेश्वरी सपहा, सचिव दिनेश साहू, जनप्रतिनिधि लोकेश बंछोर, ललित साहू, मोतीराम सपहा, जितेंद्र ठाकुर मौजूद थे। कोलिहापुरी शीतला तालाब में सरपंच ईश्वर प्रसाद साहू, सचिव श्री निमेष भोयर, जनप्रतिनिधि पूना राम साहू की मौजूदगी में कार्यक्रम हुआ। संविधान दिवस पर आयोजित यह कार्यक्रम जल संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन और सामुदायिक भागीदारी का उत्कृष्ट उदाहरण रहा।

कन्या महाविद्यालय में क्रिएटिव कार्नर का शुभांरभ

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

शासकीय डॉ. वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में प्राचार्य डॉ. रंजना श्रीवास्तव के मार्ग निर्देशन में स्टूडेंट क्रिएटिव कार्नर का शुभारंभ किया गया । उच्च शिक्षा विभाग के दिशा-निर्देश के अनुसार क्रिएटिव कार्नर की स्थापना किया जाना है, यह एक ऐसा स्थान है जहां छात्रा अपनी रचनात्मक और कलात्मक प्रतिभाओ की विकसित कर सकते है जैसे किकला, शिल्प, संगीत, नृत्य, लेखन एवं डिजिटल कार्य आदि। प्राचार्य डॉ. रंजना श्रीवास्तव के अनुसार छात्राओ को पढ़ाई के दवाब से दूर अपने शौक पूरे करने नए विचारों का आदान प्रदान करने और अपनी कल्पनाशीलता को निखारने का एक मंच प्रदान करने हेतु महाविद्यालय में ही, एक स्थान क्रिएटिव कॉर्नर है। प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि छात्र रचनात्मक उद्योग में नए अनछु, दृष्टिकोण लेकर आते है, नवीनतम रूझानो, तकनीको और सांस्कृतिक बदलावो में डूबे युवा कला, डिजाईन और नवाचार को दुनिया के दृष्टिकोण से प्रभावित करने की एक अनुठी स्थिति में होते है। वे नए विचार लाते है, पुरानी धारणाओ को चुनौती देते है और अभिनव समाधान प्रस्तुत करते है। इन विचारो को विकसीत करने के लिए महाविद्यालय एक आर्दश वातावरण है। विविध संसाधनो और प्राध्यापको के मार्गदर्शन तक पहुँच के साथ छात्र अपने कौशल की निखार कर सकते है एवं मौलिकता के महत्व और रचनात्मक समस्या-समाधान की शक्ति सीखते है। इस अवसर पर प्रदर्शन कला विभाग द्वारा अनुठी एवं उत्कृष्ट प्रस्तुति विभागाध्यक्ष डॉ. मिलिंद अमृत फले एवं मूर्तिकला विभाग की तृप्ति खरे चित्रकला विभाग की रोशनी साहू एवं नृत्य विभाग की सृष्टि मन्ना के सहयोग से की गई जिसमें बड़ी संख्या मेंछात्राओ ने भागीदारी दी।

■ छात्राओं ने रचनात्मक प्रतिभा का किया प्रदर्शन

खबर संक्षेप

भागवत कथा का आयोजन पाऊवारा में 3 दिसंबर से

निकुम। नौ दिवसीय श्रीमद भागवत कथा का आयोजन प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू की पत्नी स्व. कमला देवी साहू व सहित परिवार के पूर्वजों के स्मृति में 3 दिसम्बर से ग्राम पाऊवारा में रखा गया है। इसमें कथावाचक लिमतरा आश्रम के संत निरंजन महाराज जी होंगे में भागवत कथा का विशाल आयोजन साहू परिवार की ओर से किया जा रहा है। जिसकी तैयारी चल रही है।

निधन

नरेन्द्र कुमार दोषी

भिलाई। सेक्टर-7 निवासी नरेंद्र कुमार दोषी उम्र 72 वर्ष का इंदौर में निधन हो गया। वे विकास, रेणु, मिनी एवं दीपिका के पिता तथा डॉ. राजेंद्र, सतीश दोषी के बड़े भाई थे।

बसंत कुमार तिर्की

भिलाई। सेक्टर 10 सड़क 21, मकान नं 5/बी भिलाई निवासी एवं बीएसपी के सेवानिवृत्त उप महाप्रबंधक बसंत कुमार तिर्की का निधन 26 नवंबर को हो गया है। उनकी अंतिम यात्रा 28 नवंबर को उनके निवास से सुबह 11 बजे नेहरू नगर कब्रिस्तान के लिए निकलेगी। वे सालानी तिर्की के पति एवं अभिजित और मेरविन के पिता थे। वे अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

जनपद सीईओ ने 7 दिन के अंदर मांगी रिपोर्ट, कमी मिलने पर होगी कार्रवाई

ननकट्ठी गांव में बनी घटिया सड़क की जांच करने 6 सदस्यीय टीम गठित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

दुर्ग जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाले नंदकट्ठी ग्राम पंचायत में 40 लाख रुपए की लागत से बनाई गई घटिया आरसीसी रोड की जांच करने के लिए 6 सदस्यीय जांच टीम बनी है। जनपद सीईओ रूपेश कुमार पाण्डेय ने जांच समिति को 7 दिन के अंदर अपनी जांच रिपोर्ट देने का निर्देश दिया है।

आपको बता दें कि छत्तीसगढ़ शासन ने नंदकट्ठी ग्राम पंचायत में बजार चौक व आसपास सीमेंटीकरण करने के लिए 40 लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान की थी। तय एजेंसी के द्वारा इस रोड का निर्माण दीपावली के समय किया गया था। सड़क को बने महज एक महीना ही हुआ है और वो उखड़ने लगी है। सड़क के ऊपर से सीमेंट और रेत धूल बनकर उड़ रही है और सड़क को जूते रगड़ने पर ही वो उखड़ने लग रही है। इससे साफ है कि सड़क की गुणवत्ता क्या होगी। इस घटिया सड़क के निर्माण के बाद अब वहां के लोगों में काफी आक्रोश है।

खबर का असर

लोगों को आने जाने में हो रही परेशानी

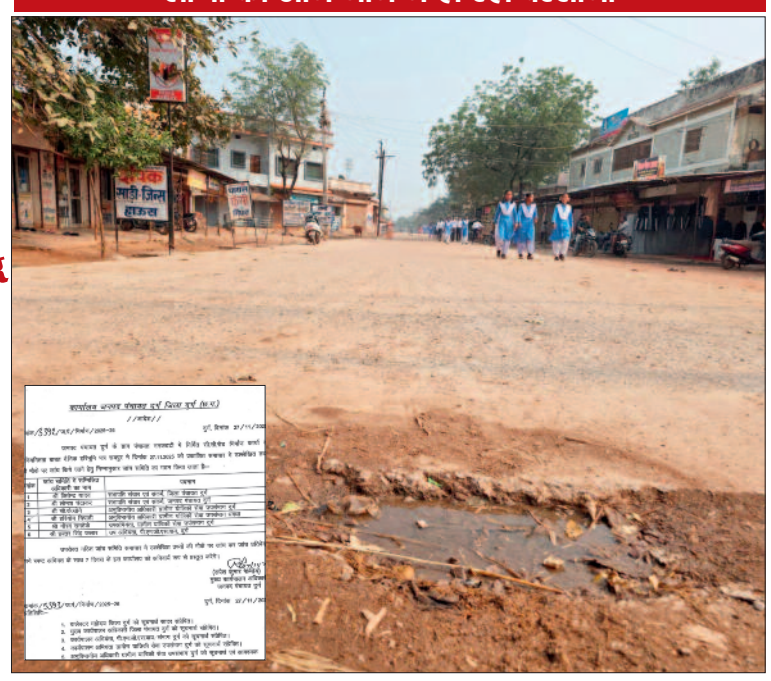

ढलाई के मेजरमेंट में भी कमी होने की ग्रामीणों ने जताई आशंका

जब कुछ ग्रामीणों से बात की गई तो उन्होंने नाम ना बताने की शर्त पर बताया कि इस सड़क को 8-9 इंच मोटा ढालना था, लेकिन ठेकेदार ने 5-6 इंच मोटी रोड की ढलाई करके मटेरियल की बचत की है। जब हरिभूमि की टीम ने वहां रोड की मोटाई नापी गई तो वो अलग अलग जगह पर अलग अलग पाई गई। कहीं मोटाई 5 इंच पाई गई तो कहीं 7 इंच थी।

एसडीओ और सब इंजीनियर ने कहा- सड़क बनी है मानक के मुताबिक, गुणवत्ता का रखा गया है ध्यान

जब इस गुणवत्ताहीन सड़क को लेकर आरईएस विभाग के एसडीओ छत्र कुमार सोने से बात की गई तो उन्होंने कहा कि सड़क का निर्माण मानक के मुताबिक किया गया है। वहीं सब इंजीनियर कामिनी यादव ने कहा कि वो समय समय पर निरीक्षण के लिए गई हैं और कहीं भी सड़क में कोई गड़बड़ी नहीं की गई। तो फिर सवाल ये उठता है कि यदि सड़क गुणवत्तायुक्त बनी है तो फिर एक महीने के अंदर उखड़ने क्यों लगी। इसका जवाब सब इंजीनियर के पास नहीं था।

जांच टीम में इन लोगों को किया गया शामिल

जनपद सीईओ के द्वारा जो 6 सदस्यीय जांच टीम बनाई गई है उसको लीड आरईएस के एसडीओ हरिओम त्रिपाठी करेंगे। इसी विभाग से टीम में एसडीओ सीके सोने, सब इंजीनियर गौरव रामटेके, पीएमजीएसवाय विभाग से सब इंजीनियर छत्तर सिंह कलार को शामिल किया गया है। इसके साथ ही इस टीम में जिला पंचायत दुर्ग के सभापति संचार एवं संकर्म जितेंद्र यादव और जनपद पंचायत दुर्ग से सभापति संचार एवं संकर्म लोमेश चंद्राकर को भी शामिल किया गया है।

गुणवत्ता जांचने गठित की गई है टीम

“ गुणवत्ताहीन सड़क बनाने की शिकायत मिलने के बाद एक 6 सदस्यीय टीम का गठन किया गया है। टीम को एक सप्ताह के अंदर जांच रिपोर्ट देने के लिए कहा गया है। यदि जांच रिपोर्ट में गुणवत्ता का अभाव होना पाया गया तो संबंधित के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

-रूपेश कुमार पाण्डेय, सीईओ, जनपद पंचायत दुर्ग

लोकतंत्र के पर्व, संविधान दिवस पर हुआ विशेष आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सेलूद

विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र भारत सदैव संविधान में आस्था रखते हुए आगे बढ़ रहा हैं, हमारा यह संविधान प्रत्येक नागरिक को स्वतंत्रता के साथ अपनी बाते रखने का अधिकार देता है और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सुनिश्चित करता है।

भारतीय संविधान के महान योगदान से ही भारतवासियों में एकता और अखंडता सुनिश्चित हुआ है विधि द्वारा स्थापित भारत के संविधान के प्रति सच्ची निष्ठा एवं श्रद्धा रखकर कार्य करना ही सच्ची देश भक्ति है ।

■ भारतीय संविधान के योगदान से भारतीयों में एकता व अखंडता हुआ सुनिश्चित

इसी परिपेक्ष्य में 26 नवंबर संविधान दिवस का कार्यक्रम ग्राम पंचायत पतोरा में गरिमा एवं उत्साह के साथ मनाया गया।

सर्वप्रथम ग्राम पंचायत भवन में संविधान में अमूल्य योगदान महत्व पूर्ण भूमिका ऐतिहासिक भागीदारी विचार शीलता लोकतांत्रिक मूल्यों राष्ट्र निर्माण की दृष्टि रखने वाले संविधान निर्माता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण के साथ शुरू हुआ।

पूजा अर्चना के पश्चात ग्राम के सरपंच भुनेश्वर साहू उपसरपंच देवचरण कौशल सहित पंच गण द्वारा संविधान के प्रस्तावना का वाचन किया गया साथ ही साथ भारत की भावी पीढ़ी को हमारे गौरवशाली संविधान से अवगत कराकर उनके भविष्य को गढ़ने के पावन उद्देश्य को लेकर “सेजस हिंदी पतोरा” में भी संविधान दिवस मनाया गया इस अवसर पर प्राथमिक ,पूर्व माध्यमिक हायर सेकेंडरी सभी स्कूल स्कूली छात्र छात्राओं को सरपंच द्वारा उपहार में पेन एवं चॉकलेट बार प्रदान किया गया।

संविधान दिवस के इस गरिमामई कार्यक्रम में सरपंच भुनेश्वर साहू, उपसरपंच देवचरण कौशल, चंद्रिका कलिहारी, हेमचन्द्र ठाकुर हेमू , दीपक साहू, गोरे लाल श्रीवास, चूमन साहू, नेमबाई, राधा ठाकुर, डीलेश्वरी साहू, मनोज साहू, कमलेश्वरी साहू, एकता साहू, कामीन देशलहरे, जामुन ठाकुर , सरस्वती साहू, दीप्ति श्रीवास, प्रीतिबला साहू प्रभारी प्राचार्य सविता गणवीर, सुनीता लोखंडे, कोमल सिंह बंजारे, योगिता शर्मा सहित अन्य ग्रामीण जनों की उपस्थिति रही।

बिजनेस साइट

ओम ज्वेलर्स में आकर्षक उपहार एवं डिस्काउंट

भिलाई। पूरे शहर के हृदय स्थल में स्थित इंदिरा मार्केट दुर्ग, शॉप नंबर 64बी, प्रिया श्रृंगार सदन के सामने अपने भव्य शोरूम रेड एंड व्हाइट कलर के लिए जाना-माना सुप्रसिद्ध शॉप ओम ज्वेलर्स में विशेष डिस्काउंट एवं विशेष छूट अपने सभी कस्टमर को दिया जा रहा है। जहां आपको एडवांस बुकिंग करने पर तत्काल जितना ग्राम सोना उतना ग्राम चांदी फ्री एवं शादी के गहनो की शॉपिंग पर डिस्काउंट के साथ इंपोर्टेड वॉच एवं इंपोर्टेड टूरिस्ट बैग हैंड बैग तत्काल प्रदान की जाती है। श्री ओम ज्वेलर्स के संचालक सोनी ने बताया कि विश्वास व विश्वसनियता का प्रतीक ओम ज्वेलर्स में आपार कस्टमर के पधारने के लिए धन्यवाद दिया। हमारी शॉप में टोटल हॉलमार्क गहने जिसमे 6 अंकों का huid कोड ही जेवर उपलब्ध होती है जो 100% विश्वनीयता पर खरा रहती है ।100% वापसी के साथ दिया जाता है वापसी करने पर काट छाट नहीं होती। पूरे क्षेत्र में सबसे कम मेकिंग चार्ज पर गहने प्रदान की जाती है। हमारी शॉप में कम कीमत से अधिक कीमत की गहने उपलब्ध हैं जिसमें हर फैमिली के बजट अनुरूप गहने उपलब्ध मिलती है। जहां सोने का हार चोकर नेकलेस 5 ग्राम से स्टार्ट है सोने की अंगूठी, झुमका, ऐयरिंग, डबल कुंडा, फैंसी लॉकेट, मंगलसूत्र, टॉप्स 2 ग्राम से शुरू है। हमारे शॉप में 916 हॉलमार्क 833 हॉलमार्क 750 हॉलमार्क के गहने उपलब्ध हैं एवं चांदी में डायमंड सेट हार सेट 925 के सिल्वर बैंकॉक के इंपोर्टेंट वॉच न्यू डिजाइन उपलब्ध है। साथ ही पायलों की विस्तृत रेंज जैसे नई वैरायटी के करधन, पायल, बैंगल्स, हाथ फूल, बिछिया, चैन, लॉकेट की एक से बढ़कर एक वैरायटी उपलब्ध है। हमारे शॉप में टोटल ओपन डिस्प्ले होने की वजह से मनपसंद गहने खरीदने में सुविधा होती है। सभी प्रकार के चेक ऑल एटीएम एवं क्रेडिट कार्ड डेबिट कार्ड एक्सेप्ट की सुविधा प्रदान की जाती है साथ ही ख़रीदे गये जेवर की घर पहुंच पेमेंट की सुविधा उपलब्ध है व किसी भी गहने की तत्काल रिपेरिंग सुविधा है। आशा है बेहतर से बेहतरीन डिजाइन लेने के लिए ओम ज्वैलर्स अवश्य पधारे।

विनायकपुर स्कूल में हुआ न्योता भोजन का आयोजन

अंडा। पीएम श्री शासकीय प्राथमिक, पूर्व माध्यमिक, हायर सेकेंडरी शाला विनायकपुर में छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी योजना न्योता भोजन का आयोजन किया गया। यह न्योता भोजन मोतीलाल मार्कण्डेय ने अपनी पत्नी पम्पेश्वरी मार्कण्डेय के जन्मदिन के उपलक्ष्य में किया गया। कक्षा 1 से 12 तक के सभी बच्चों एवं शिक्षकों को खीर का वितरण किया गया। इस अवसर पर शाला में बच्चों के बीच केक काटकर नई परंपरा की शुरुआत किया गया।शाला परिवार से आभार व्यक्त किया गया। इस मौके पर गांव के सरपंच योगेन्द्र दिल्लीवार, हायर सेकंडरी के प्राचार्य भारतेन्द्र गंगराले, पीएम श्री स्कूल के प्रधान पाठक टीकेन्द्र चन्द्राकर, शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष लक्ष्मी साहू, ललित बाई साहू, स्मृति सोनी, बीना देवांगन, ज्योति गजपाल, भूषण दिल्लीवार, सीडी देवांगन,यशवंत साहू एवं शाला परिवार से सरस्वती उमरे, भावना तिवारी, नरेश गायकवाड़, ऊषा सिन्हा, विजेता सूर्यवंशी, चमेली ठाकुर, मनोरमा हालदार, अंजू साहू, खिलेन्द्र यादव सभी ने जन्म दिवस की बधाई दिया गया।

शिक्षा सिर्फ नौकरी नहीं, सही सोच व दिशा भी देती है : विधायक चन्द्राकर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बोरई में 44 छात्राओं को सरस्वती निःशुल्क योजना अन्तर्गत साइकिल का वितरण किया गया। साथ ही संविधान दिवस के अवसर पर विद्यालय परिसर में संविधान का वाचन किया गया, जिससे विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक मूल्यों, नागरिक कर्तव्यों और संविधान की गरिमा के प्रति जागरूकता बढ़े। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक ललित चन्द्राकर थे।

■ बोरई स्कूल की 44 छात्राओं को मिली साइकिल

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक ललित चन्द्राकर ने कहा कि शिक्षा सिर्फ नौकरी नहीं देती, बल्कि सही सोच व सही दिशा भी देती है। शिक्षा माध्यम से जीवन में अपने हर मुकाम को हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि पढ़ाई में सुविधा के लिए छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत कक्षा 9 वीं में प्रवेश लेने वाली उन सभी छात्राओं को निःशुल्क सरस्वती साइकिल प्रदान की जाती है जो अनुसूचित जाति एवं जन जाति वर्ग की बालिकाएं होती है। इसके ही गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले छात्राओं को भी इस योजना के तहत निःशुल्क साइकिल प्रदान की जाती है। इस योजना का उद्देश्य है कि बालिकाओं को शिक्षा प्राप्त करने समिपस्थ स्कूल आने जाने में किसी प्रकार की असुविधा न हो । साथ ही छात्राओं से स्कूल परिसर को हराभरा रखने और एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौध रोपण करने प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर ग्राम सरपंच ओमेश्वर राजू यादव, पूर्व जनपद सदस्य शिवकुमारी वैष्णव, भाना बाई ठाकुर एवं प्रीतपाल ठाकुर, शाला विकास समिति सदस्य उत्तम साहू, विधायक प्रतिनिधि शिव निर्मलकर प्रधान पाठक दिनेश ताम्रकार सहित विद्यालय के छात्र–छात्राएं उपस्थित थे।

इन छात्राओं को मिली साइकिल

विधायक ललित चन्द्राकर ने निकिता ठाकुर, रितिका, लुसिका ठाकुर, मालती यादव, मेधा यादव, निशा साहू, ओमेश्वर, प्रांजलि सिन्हा, राधिका धीवर, राजेश्वरी पटेल, रोशनी, तारणि यादव, तेजस्वी देशमुख, उषा यादव, उर्मिला यादव, योगिता धीवर, नेहा साहू, रूपाली देशमुख, सोनम साहू, वामनी साहू, आंजलि यादव, भारती साहू, भावना साहू, भोज कुमारी, चाहत सिन्हा, चांदनी साहू, चेतना यादव, चित्रा, चुनाक्षी साहू, देविका यादव, धारणी देशमुख, डिंपल, हिमांशी साहू, होमेश्वरी साहू, झकल यादव, केशर साहू, कृतिका, खुशबू यादव, लुकेश्वरी, जितेश्वरी, चांदनी साहू और लीला साहू को साइकिल प्रदान किया।

उदय महाविद्यालय, जामुल-भिलाई में संविधान दिवस मनाया

भिलाई। उदय महाविद्यालय में बुधवार को संविधान दिवस मनाईं गईं। कार्यक्रम की शुरुआत सर्वप्रथम मां सरस्वती की पूजा-अर्चना एवं बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा में माल्यार्पण कर किया गया। तत्पश्चात डॉ. सावित्री जंघेल सहायक प्राध्यापक द्वारा संविधान के बारें में विस्तृत वर्णन किया गया। बीएड प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के छात्राध्यापकों द्वारा भाषण, कविता प्रस्तुत किया गया एवं संविधान दिवस के उपलक्ष्य में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्राचार्या डॉ. अलिपा साहू ने सभी को संविधान की शुभकामनाए देते हुए कहा कि हमें सिर्फ अपने अधिकारों की ही नहीं अपने कर्तव्यों की भी पूरी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. कलावती राव एवं समस्त शिक्षक एवं बीएड छात्राध्यापक उपस्थित रहें।

मिर्गी, चक्कर, सिरदर्द, न्युरोपैथी, स्लिप डिस्क नहीं है लाइलाज : डॉ. प्रशांत

भिलाई। एडवांस्ड न्यूरो माइंड क्लिनिक, सौभाग्य काम्प्लेक्स, बस स्टैंड दुर्ग के संचालक डॉ प्रशांत अग्रवाल न्यूरोसाइकेट्रिस्ट एवं सर्टिफाइड न्यूरोलॉजिस्ट-लंदन, यूनाइटेड किंगडम बताते है कि मिर्गी (झटका-बेहोशी) जिसमे कि मरीज बार-बार बेहोश होते हैं, हाथ पैरों में जकड़न आ जाती है और मरीज कहीं भी गिर जाते हैं जिससे उन्हें चोट लगती है जीभ भी कट जाती है - इसे मिर्गी की बीमारी कहते है- इसमें अक्सर लोग झाड़-फूक या अंध विश्वास का रास्ता अपनाते है जो जान लेवा भी हो सकता है। जबकि मिर्गी के पीछे मस्तिष्क में होने वाले रासायनिक उथल पुथल एवं मस्तिष्क की नसों में होने वाले गलत तंत्रिका तंत्र प्रवाह मुख्य वजह होती है, आज के समय में नए ज़माने की एंटी एपिलेप्टिक दवाइयों से बिना किसी साइड इफ़ेक्ट के मिर्गी को जड़ से ठीक किया जा सकता है और कुछ सालो के इलाज के बाद यदि मरीज का एम.आर.आई एवं ब्रेन मैपिंग रिपोर्ट नार्मल होता है तो मिर्गी की दवाईयां भी बंद की जा सकती है। डॉ प्रशांत बताते है आज के तनाव भरे माहोल में चक्कर, घबराहट की समस्या आम है, चक्कर आने के पीछे सबसे बड़ी वजह घबराहट हो सकती है, कभी कभी चक्कर ठीक करने की दवाईयो से भी चक्कर आने लगते है, यही नहीं यदि किसी को लम्बे समय से सर्वाइकल- स्पोंडीलैटिस है उन्हें भी चक्कर की समस्या हो सकती है, इसलिए दवाइया शुरू करने से पहले चक्कर की असली वजह क्या है उसे जानना बहुत जरूरी है। माइग्रेन एक विशेष प्रकार का सिरदर्द होता है जिसमे बार बार आधे या पूरे सिर में तेज दर्द होता है, दिमाग सुन्न हो जाता है, आँखे लाल हो जाती है और उल्टियां होती है, यह दर्द असहनीय भी होता है जो सोने से या दर्द की दवाई खाने से टेम्परारी तौर पर ठीक भी हो जाता है, ऐसी स्थिति में मेडिकल स्ट्रोर से नींद की या अन्य कोई भी दवाई नहीं खानी चाहिए उससे मरीज बेहोश हो सकते है या कोमा में भी जा सकते है माइग्रेन में परहेज बचाव एवं न्यूरोसाइकेट्रिस्ट, न्यूरोलॉजिस्ट विशेषज्ञ की सलाह सबसे जल्दी असर दिखाती है। डॉ प्रशांत दुर्ग-भिलाई में पिछले 7 सालो से दुर्ग भिलाई में अपनी सेवाए दे रहे हैं और गारंटी के साथ न्यूरो, मनोरोग एवं दर्द की समस्या का समाधान कर रहे हैं।

संविधान का उद्देश्य नारी शक्ति को राजनीतिक सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंडा

दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के ग्राम तिरगा के गांधी चौक में संविधान दिवस का आयोजन किया किया गया। इस अवसर पर बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर व महात्मा गांधीजी के तैल चित्र पर पुष्पमाला से श्रद्धा सुमन अर्पित कर नमन किया व कैंडल प्रज्वलित कर उत्साह पूर्वक संविधान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर सरपंच घसिया राम देशमुख, सेवा सह. स. तिरगा अध्यक्ष देवसिंह ठाकुर, सेवानिवृत्त शिक्षक हीरालाल दिल्लीवार, पंचगण कुलेश्वरी देशमुख, जमुना निषाद, कविता ऋषि, शिक्षक रघुनाथ देशमुख, चंद्रहास देशमुख, रेखलाल देशमुख, सर्जना यु. स. अध्यक्ष हेमंत ऋषि, घनश्याम देशमुख, मेहत्तर लाल, युवा संगठन अध्यक्ष शत्रुहन लाल, ब्लॉक यु. कां. सचिव सोहन लाल, तुलसीराम, अजय कुमार, युगल किशोर, घनाराम, आजीविका मिशन बिहान कार्यकर्ता ललिता, उर्मिला , जागृति व समूह के दीदी लता बाई, अंजनी, गोमती बाई, डागेशवरी, भुनेश्वरी, कल्याणी देशमुख, सुनेती ठाकुर, समाजसेविका एवंतीन, जया, ज्योति देशमुख, अधिक संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

■ तिरगा के गांधी चौक में संविधान दिवस का आयोजन

सरपंच ने बताया यह संविधान हर परिस्थिति में हमारा मदत करता है। देश के सभी नागरिक को संविधान का नियम कानूनों को पालन करने की अपील किया। दिल्लीवार जी ने विस्तृत रूप से संविधान के महत्व बताते हुए ग्रामीणों को प्रेरित किया। रघुनाथ ने बताया हमारा संविधान नारी शक्ति को राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक रूप से सशक्त बनाकर उनकी सम्मान को बढ़ाया है।

महिलाओं के अधिकार पर ऑनलाइन अतिथि व्याख्यान आयोजित

धमधा। शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय धमधा में “महिलाओं के अधिकार” विषय पर एक दिवसीय ऑनलाइन अतिथि व्याख्यान का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. उषा किरण अग्रवाल के मार्गदर्शन एवं सहयोग से दोपहर 12 बजे किया गया। कार्यक्रम का संचालन आईक्यूएसी प्रभारी डॉ. दिव्या नेमा ने किया तथा मुख्य वक्ता का परिचय नेक प्रभारी रूपेश वर्मा द्वारा दिया गया। व्याख्यान की मुख्य वक्ता डॉ. लाजवंती चेतानी, प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभाग, महाराजा सैयाजी राव यूनिवर्सिटी, बड़ौदा रहीं। अपने उद्बोधन में डॉ. चेतानी ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 16 के अंतर्गत समानता, भेदभाव-निषेध एवं समान अवसरों की प्रमुख बातों को सरल उदाहरणों सहित प्रस्तुत किया। उन्होंने छह मौलिक अधिकारों में से समानता के अधिकार पर विशेष रूप से प्रकाश डालते हुए महिलाओं को मिलने वाले संवैधानिक संरक्षण, आरक्षण एवं लैंगिक न्याय की विस्तृत जानकारी दी। वक्ता ने यह भी स्पष्ट किया कि पुरुष एवं महिला के बीच कुछ जैविक एवं सामाजिक अंतर स्वाभाविक हैं, जो महिलाओं के हित में आवश्यक भी होते हैं। यह व्याख्यान छात्र-छात्राओं और प्राध्यापकों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक और उपयोगी सिद्ध हुआ। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. दिव्या नेमा द्वारा किया गया।

निकुम कॉलेज को मिली परीक्षा केंद्र की सौगात

निकुम। जिला दुर्ग से महज 25 किमी दूर शासकीय पुकेश्वर सिंह भारदीय कॉलेज निकुम बीते 5 वर्ष से संचालित हो रहा है गौर हो कि अंचल में ग्रामीण प्रतिभाओं व बेटियों के लिए निकुम कॉलेज वरदान साबित हो रही है। वर्तमान में तीनों संकाय बीएससी, बीए, कॉमर्स संकाय में 328 स्टूडेंट्स है, वहीं बीते चार वर्षों से लगातार पढ़ने वाले स्टूडेंट्स को निकुम कॉलेज में एग्जाम सेंटर नहीं होने से 13किमी दूर शैल देवी महाविद्यालय अंडा परीक्षा के लिए आना जाना मजबूरी में लोहे के चने चबाना जैसा साबित होता रहा। वहीं शासकीय स्व. पुकेशवर सिंह भारदीय कॉलेज निकुम जनभागीदारी समिति अध्यक्ष सुरेश साहू के अथक प्रयास व मेहनत आखिर कार रंग लाई। वही इस वर्ष से सभी बच्चों को निकुम में परीक्षा सेंटर में पहली बार एग्जाम सेंटर मिलने से सभी बच्चों में खुशी है।

खबर संक्षेप

पीएम आवास के 26 हितग्राहियों का ऋण स्वीकृत

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्रांतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के हितग्राहियों को ऋण सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आवास ऋण मेला का शिविर लगाया जा रहा है। बैकुण्ठधाम स्थित डॉ. भीमराव अम्बेडर मांगलिक भवन में आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देश पर विगत 28 अक्टूबर को आवास ऋण मेला का आयोजन किया गया था। इसमें स्वतंत्र बैंक, इजी होम फाइनेंश बैंक, आवास लोन फाइनेंश बैंक और जना स्माल फाईनेंश बैंक के कर्मचारी उपस्थित थे। प्रधानमंत्री आवास योजना के 130 हितग्राही आवास ऋण मेला में भाग लिये थे, जिसमें से 26 हितग्राहियों का ऋण 1 माह में स्वीकृत कर दिया गया है। अब इन हितग्राहियों को स्वयं के मकान पाने का सपना पुरा हो जाएगा। निगम आयुक्त के अनुसार 1 दिसंबर को आयोजित आवास ऋण मेला में शामिल होकर आवास ऋण के लिए बैंक के कर्मचारी से संपर्क कर आवेदन कर सकते है।

सीजीपीएससी टॉपर को ईडी ने किया सम्मानित

भिलाई। बीएसपी के कार्यपालक निदेशक पवन कुमार ने इस्पात भवन में सीजीपीएससी की परीक्षा में टॉप करने वाले बीएसपी कर्मी यशवंत देवांगन को सम्मानित किया। मुख्य महाप्रबंधक संदीप माथुर, महाप्रबंधक जेएन ठाकुर, महाप्रबंधक अमूल्य प्रियदर्शी, बीएसपी आफिसर्स एसो. के अध्यक्ष एनके बंछोर, जीएम के सुपर्णा, सौमिक डे, अंकुर मिश्रा, कोषाध्यक्ष सौभाग्य रंजन साहू, अखिलेश मिश्रा आदि मौजूद थे।

कमर, जांघ, ऑर्म, वक्ष स्थल

शरीर के अन्य हिस्सों का वेजर द्वारा लाइपोसक्शन
कालड़ा प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी एवं बर्न सेंटर
आर.के.सी. के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेढ़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स माल के पास, रायपुर (छ.ग.)
9827143060/8871003060
छ.ग. शासन से मान्यता प्राप्त
Ajay Advt.

भिलाईनगर स्टेशन का इतिहास छिपा रही रेलवे, कांग्रेस करेगी विरोध

पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू, राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद, राजीव गांधी और बर्मा के प्रधानमंत्री आ चुके स्टेशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत भिलाईनगर रेलवे स्टेशन के रिनोवेशन का काम लगभग पूरा हो चुका है। लगभग 8 करोड़ रुपए की लागत से स्टेशन का कायाकल्प किया गया है। खबर है कि जल्द ही देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसका उद्घाटन करने जा रहे हैं।

इस बीच भिलाईनगर रेलवे स्टेशन का इतिहास खंगाला जा रहा है। कुछ जानकारियां छिपाई जा रही है। इसका कांग्रेस ने विरोध किया है। कांग्रेस के नेताओं ने बताया कि भिलाई नगर रेलवे स्टेशन से कभी देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू, राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद, बर्मा के प्रधानमंत्री यूनू और राजीव गांधी भी आ चुके हैं। यादों से जुड़े तथ्यों का भिलाई नगर रेलवे स्टेशन में कहीं उल्लेख ही नहीं किया जा रहा है। यहां लगाए गए डिस्प्ले बोर्ड में भी कई गलतियां हैं, जो रेलवे की घोर लापरवाही है। डिस्प्ले बोर्ड की शुरुआती लाइन में 1888 में भिलाई नगर रेलवे स्टेशन की शुरुआत बताई गई है, जो पूरी तरह गलत है। वास्तविकता यह है कि 1888 में राजनांदगांव से रायपुर तक रेलवे लाइन बिछाई जा चुकी थी, लेकिन यहां तब के सुपेला गांव में कोई रेलवे स्टेशन अस्तित्व में नहीं आया था। इस बोर्ड में 1972 में मैत्री बाग का उद्घाटन बताया जा रहा है, जबकि 1972 में मैत्री बाग शुरू हुए 10 साल हो चुके थे। 1972 में चिड़ियाघर चालू हुआ है न कि मैत्री बाग। सबसे बड़ी या जानबूझकर की गई चूक यह है कि यहां प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति उतर चुके हैं, लेकिन इस बात का कहीं उल्लेख नहीं है।

16 दिसंबर 1956 को नेहरू आए थे भिलाई

जानकारी के मुताबिक 16 दिसंबर 1957 को प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू, बर्मा के प्रधानमंत्री यू नू और 14 वर्ष के राजीव गांधी राउरकेला से ट्रेन में सवार होकर इसी रेलवे स्टेशन पर उतरे थे, तब इसे सुपेला रेलवे स्टेशन कहा जाता था। इसी तरह 4 फरवरी 1959 की सुबह देश के राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद भी राउरकेला से ट्रेन के सफर में आकर इसी रेलवे स्टेशन पर विशेष ट्रेन से उतरे थे। उन्होंने भिलाई की पहली ब्लास्ट फर्नेस का उद्घाटन किया था। यह दोनों ऐतिहासिक तथ्य भी डिस्प्ले बोर्ड से गायब है।

अमृत भारत स्टेशन का किया गया कायाकल्प

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत स्टेशनों को पुनर्विकसित कर उन्हें यात्री सुविधाओं, संरचना, प्रौद्योगिकी और सौंदर्यीकरण के क्षेत्र में आधुनिक और भविष्योन्मुख बनाना है। इस योजना के अंतर्गत कई बिंदुओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। रेलवे बोर्ड द्वारा आधुनिक प्रतीक्षालय, स्वच्छ शौचालय, लिफ्ट, एस्केलेटर जैसी अत्याधुनिक यात्री सुविधाएं दने का लक्ष्य है। छत्तीसगढ़ के 32 रेलवे स्टेशनों का चयन इस योजना के तहत किया गया है। इसमें दुर्ग जिले से पावर हाउस, भिलाईनगर, दुर्ग स्टेशन शामिल हैं। भिलाई का कार्य करीब 8 करोड़ में किया गया है। स्टेशन में महिलाओं के लिए वेटिंग एरिया, दिव्यांग यात्रियों के लिए रैंप और एस्केलेटर, वेटिंग हॉल, स्वच्छ शौचालय, डिजिटल सूचना प्रणाली और वाई-फाई जैसी सुविधाएं हैं।

यह देश के महापुरुषों का अपमान

भिलाई स्टेशन को लेकर जो जानकारी आई है, उससे पता चला है कि देश के महापुरुषों का अपमान किया जा रहा है। कांग्रेस इसे बर्दास्त नहीं करेगी। इसका विरोध किया जाएगा। इस बारे में अधिक जानकारी ली जा रही है।

-मुकेश चंद्राकर, अध्यक्ष भिलाई कांग्रेस

जोन आयुक्त ने बताया अवैध, फिर भवन अनुज्ञा अधिकारी नहीं कर रहे निर्माण रोकने की कार्रवाई

वाह रे निगम, कलेक्टर के निर्देश पर जिस सीमा तक अतिक्रमण तोड़ा, अब उसी सीमा में बन रहा डी-मार्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

हरिभूमि सरोकार

भिलाई नगर निगम मुख्यालय के ठीक सामने लाल बहादुर शास्त्री चिकित्सालय के पास काफी बड़े भू-भाग में कामर्शियल बिल्डिंग बन रही है। निगम के अधिकारियों ने बताया कि वहां डी-मार्ट का निर्माण किया जा रहा है। इस बिल्डिंग का निर्माण सरकारी यानि सड़क की जमीन पर 85 फिट तक बेजा कब्जा करके किया जा रहा है। जब निगम के अधिकारियों ने इस पर कोई आपत्ति नहीं की तो हिंदू युवा मंच ने इसका विरोध किया और निगम व जोन आयुक्त ज्ञापन देकर इस पर कार्रवाई की मांग की है।

हिंदू युवा मंच के भिलाई महानगर अध्यक्ष कमल रणदिवे और वैशाली नगर के अध्यक्ष अजय यादव ने इसका विरोध किया है। उन्होंने कहा कि कुछ महीने पर दुर्ग कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देश पर निर्माणाधीन बिल्डिंग के बगल से स्थित महेंद्रा शो-रूम के बिल्डिंग की जांच की गई थी। निगम के जोन- 1 के आयुक्त अजय राजपूत ने खुद खड़े होकर नाम कराई और पाया कि महिंद्रा शो-रूम का भवन तो ठीक बना है, लेकिन उसका जो पार्किंग एरिया बनाया गया है वो अवैध है। इसके बाद निगम की टीम ने उस अतिक्रमण को तोड़ा था।

इस घटना के बाद निगम के अधिकारियों से महिंद्रा शो-रूम संचालक ने सांठगांठ करके फिर से वहां पार्किंग का निर्माण कर लिया। हद तो यह हो गई की हाल ही में सुधीर एक्सरे के बगल से पड़ी खाली जमीन जो कि 32308.41 वर्गफुट है, उसमें डी-मार्ट के लिए व्यवसायिक भवन का निर्माण किया जा रहा है। यह जमीन पहले किसी खेमलाल मध्यानी की जमीन थी, जिसे उन्होंने बेच दिया है। निर्माण करने वाले ने बिल्डिंग का निर्माण सर्विस रोड से ठीक बगल से संटाकर शुरू किया है, जबकि वहां से लगभग 85 फिट अंदर तक सरकारी जमीन पार्किंग के लिए छोड़ी गई है। हिंदू युवा मंच ने निगम के अधिकारियों को चेतावनी दी है कि यदि इस पर कार्रवाई कर निर्माण को नहीं रोका गया तो वो लोग उग्र आंदोलन करेंगे।

अस्पताल जाने के रास्ते में लगेगा जाम

जिस सर्विस रोड की जमीन पर कब्जा करके डी-मार्ट बन रहा है, वो 200 बिस्तर वाले लाल बहादुर शास्त्री चिकित्सालय को सीधे जोड़ती है। वहां से मरीजों को लेकर एंबुलेंस का आनाजाना होता है। ऐसे में यदि सर्विस रोड की सड़क पर कब्जा करके बिल्डिंग बनी तो भविष्य में यह रोड पार्किंग की भेंट चढ़ जाएगी और सड़क पर आना जाना मुश्किल होगा।

आंख मूंदकर निकल जाते हैं पार्षद

यह जो प्लॉट है वह वार्ड 17 का क्षेत्र है और यहां के पार्षद कांग्रेस पार्टी के नेता लालचंद वर्मा हैं। वो शहर सरकार में मंत्री भी हैं। उनका खुद का कार्यालय इसी बिल्डिंग के बगल से होकर जाने वाले रास्ते में आता है। वर्मा रोज इस सड़क से आना-जाना करते हैं, लेकिन उन्होंने इसको लेकर आवाज नहीं उठाई। उनका कहना है कि यह काम निगम का है, उनका नहीं।

जांच कर की जाएगी कार्रवाई

सुपेला में जो डी-मार्ट के लिए भवन बन रहा है उसमें सरकारी जमीन पर निर्माण होने की सूचना मिली है। उसकी जांच की जाएगी और गलत निर्माण को तोड़ने की कार्रवाई की जाएगी।

-अजय सिंह राजपूत,
आयुक्त, जोन-1, नगर पालिक निगम भिलाई

श्रमिकों और किसानों के हक पर डाका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

■ सीटू ने बीएसपी के गेटों पर मजदूरों किसानों के बीच की नुक्कड़ सभाएं

संयुक्त ट्रेड यूनियन और किसान सभा द्वारा श्रम संहिताओं व कृषि कानूनों के खिलाफ संविधान दिवस पर देशव्यापी विरोध अभियान के तहत भिलाई इस्पात संयंत्र के जोरातराई पर मजदूरों के बीच नुक्कड़ सभा का आयोजन किया गया। इसके बाद डुंडेरा, पुराई एवं और मैत्री गार्डन चौक मरोदा में नुक्कड़ सभाएं हुईं। यूनियन नेताओं ने कृषि कानूनों वे श्रम संहिताओं को जन विरोधी बताते हुए तत्काल वापस लेने की मांग की।

यूनियन नेताओं ने कहा कि मोदी सरकार ने 2020 में जिन तीन कृषि कानून को संसद में पारित कर किसानों पर थोपने की कोशिश की थी उससे किसान न केवल बर्बाद हो जाते बल्कि बड़े पूंजी पतियों के गुलाम बना दिए जाते । इसके खिलाफ किसानों ने 26 नवंबर 2020 में एक साल तक आंदोलन किया जिसके फलस्वरुप मोदी सरकार को तीनों कृषि कानून वापस लेना पड़ा। इन तीनों कृषि कानून में से पहले कानून में कहा गया कि किसानों को धान बेचने के लिए मंडियो में जाने की आवश्यकता नहीं है, वे सीधे साहूकार अथवा बड़े पूंजीपतियों को अपना ध्यान दे सकते हैं। यूनियन के मुताबिक यदि यह व्यवस्था लागू होती तो किसानों को मंडियों के माध्यम से मिलने वाला न्यूनतम समर्थन मूल्य तो नहीं मिलता। वहीं दूसरे कानून में कहा गया कि बड़े पूंजीपति छोटे किसानों के साथ उनकी जमीन को लेकर कांट्रैक्ट फार्मिंग करवाएंगे ।इस व्यवस्था के लागू होने से बड़े पूंजी पतियों के कहे अनुसार फसल ना पैदा होने पर कॉन्ट्रैक्ट में लिखे गए पैसे को फसल के दाम के रूप में नहीं दिए जाने का प्रावधान था ,जिसका पूंजीपति हमेशा फायदा उठाता। वहीं तीसरे कानून में जमाखोरी पर अंकुश लगाने के लिए 1955 में ले गए कानून को खत्म करने की बात कही गई थी।

मेहनतकशों के हक पर डाका : यूनियन नेताओं ने कहा कि मोदी सरकार 2019 में पारित किए गए वेज कोड बिल एवं 2020 में पारित किए गए बाकी तीनों श्रम कोड को 2020 से ही लागू करने की कोशिश कर रही थी लेकिन मजदूरों के जबरदस्त आंदोलन के चलते देश के श्रमिकों पर थोप नहीं पा रही थी, जैसे ही बिहार का रिजल्ट आया उसने अपने सरकार की स्थिरता को देखते हुए जबरदस्ती उन चारों श्रम कोड को अधिसूचित कर दिया। काम के घंटे को 8 से बढ़कर 12 करने, महिलाओं को रात्रि पाली में संयंत्र के अंदर काम करवाने, ओवरटाइम को मालिकों के रहमो करम पर, निश्चित अवधि के लिए रोजगार देने, 60 वर्षों वाली पूर्ण रोजगार को खत्म करने, 300 से ज्यादा मजदूर होने पर ही फैक्ट्री एक्ट लागू होने, फैक्ट्री में छटनी, तालाबंदी को लेकर नियम बनाए गए हैं।

(NABH से मान्यता प्राप्त)
सुयश हॉस्पिटल
स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग
- नॉर्मल डिलीवरी
- सिजेरियन
- हाई रिस्क प्रेग्नेंसी
- बच्चेदानी का ऑपरेशन
- बांझपन का ईलाज
24x7 प्रसव सुविधा
24 Hours Helpline
9926386660
कोटा-गुढ़ियारी रोड़, होटल पिकाडली के पीछे, रायपुर
Ajay 9827144371

सूने मकान से लाखों के कीमती जेवर पार, सीसीटीवी फुटेज में संदिग्ध कैद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

भतीजे ने पुलिस को दी सूचना

सूने मकान से लाखों रुपए कीमती ज्वेलरी चोरी हो गई। मामला शंकर नगर थाना कुम्हारी क्षेत्र का है। पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज करते हुए सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस आसपास के क्षेत्रों में पूछताछ कर रही है।

पुलिस के अनुसार कंस्ट्रक्शन कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर बीते एक महीने से बिलासपुर साइट पर तैनाती की वजह से बाहर थे। 23 नवंबर की देर रात चोरी की यह वारदात सामने आई। रिसाली निवासी अतुल कुमार (55 वर्ष) ने थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज करवाई। अतुल ने बताया कि 30 अक्टूबर से उनके चाचा चन्द्रप्रकाश काम के सिलसिले में बाहर हैं। 23 नवंबर को मकान मालिक रतन कुम्भकार ने फोन पर बताया कि किराए के घर का दरवाजा खुला है और कुंडा टूटा हुआ लग रहा है। सूचना मिलते ही अतुल मौके पर पहुंचे। घर के भीतर दाखिल होते ही उन्हें सामान बिखरा हुआ दिखा। अलमारियां खुली थीं और लॉक तोड़ा गया था। जांच के दौरान पुलिस को पड़ोसी पंकज चावला के सीसीटीवी में एक संदिग्ध दिखा। पुलिस ने वीडियो सुरक्षित करते हुए आरोपी की पहचान की कोशिश कर रही है। 25 नवंबर को चन्द्रप्रकाश खुद कुम्हारी पहुंचे और चोरी हुए सामान की सूची पुलिस को सौंपी। उनके अनुसार चोरी गए जेवरातों में दो सोने की चैन 3 तोला, चार सोने की अंगूठियां, चार सोने की चूड़ियां, दो जोड़ी सोने की बालियां, चांदी की पेन, दो जोड़ चांदी की पायल 8 तोला, छह चांदी की बिछिया शामिल हैं।

बिजली बिल की बढ़ोत्तरी, युवा कांग्रेस ने निकाली मशाल रैली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

■ शनिचरी बाजार से निकाली रैली

शहर जिला युवा कांग्रेस के अध्यक्ष आयुष शर्मा के नेतृत्व में युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव व छत्तीसगढ़ प्रभारी अमित सिंह पठानिया व सह प्रभारी मोनिका मंड्रे की उपस्थिति में छत्तीसगढ़ में बिजली बिल की बढ़ोतरी के विरोध में मशाल जुलूस निकालकर विरोध प्रदर्शन कर राज्य की भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई।

शनिचरी बाजार दुर्ग से रैली पांच कंडिल, मोती कॉम्पलेक्स, इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, पुराना बस स्टैंड होते हुए पटेल चौक तक पहुंची। रैली में प्रमुख रूप से वरिष्ठ नेता पूर्व महापौर धीरज बाकलीवाल, प्रदेश महामंत्री राजेंद्र साहू, ब्लॉक अध्यक्ष अलताफ अहमद, नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले, प्रवक्ता नासिर खोखर, युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष आयुष शर्मा, अनूप वर्मा, प्रेमलता साहू, निकिता मिलिंद, हेमा साहू मौजूद थे। अमित पठानिया ने कहा बड़े ही दुर्भाग्य की बात है कि बिजली में सरप्लस रहने वाला राज्य छत्तीसगढ़ सबसे ज्यादा उत्पादन करने वाला राज्य छत्तीसगढ़, कम लागत में बिजली बनाने वाला राज्य छत्तीसगढ़, सबसे ज्यादा कोयला खदान वाला राज्य छत्तीसगढ़ उसके बाद यहां की जनता को दो से तीन गुनी बिजली महंगी देकर राज्य की भाजपा सरकार ने जनता के साथ विश्वासघात किया है। सरकार अपने फैसले वापस ले, अन्यथा उग्र आंदोलन किया जाएगा।

धान खरीदी की लिमिट बढ़ाने किसान कांग्रेस कल करेगी प्रदर्शन

पाटन। दुर्ग जिले के सबसे बड़े धान खरीदी केंद्र रानीतराई में लिमिट कम होने के कारण धान खरीदी में तेजी नहीं आ रही है किसान धान नही बेच पा रहा है किसान एक माह मिजाई कर खुले रखे हुए है। कई किसान सड़को में रखा हुआ है किसान के लिमिट कम होने के कारण 12 बजे से ही सोसाइटी खाली हो जाते हैं। यहां तक पिछले कार्यकाल में खरीदी केंद्र में 6000 क्विंटल धान खरीदी ली जा रही थी इस बार शासन ने 1600 लिमिट बना दिया गया है। जिस से किसान सुबह से शाम तक ऑनलाइन काटने के भटक रहे हैं लिमिट कम होने के कारण किसान भारी परेशान है क्षेत्र के किसानों ने बताया कि लिमिट कम होने के कारण धान खरीदी में तेजी नहीं हो रही है। समिति के अध्यक्ष योगेश्वर साहू ने बताया कि लिमिट बढ़ाने के लिए मांग की गई है।

संविधान से संबंधित प्रश्नों का विद्यार्थियों ने दिया जवाब

जामुल। डॉ. मनराखन लाल साहू शासकीय महाविद्यालय जामुल में संविधान दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों के लिए प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल हुए।प्राचार्य डॉ. आरएस सिंह ने बताया कि इस साल का थीम हमारा संविधान-हमारा अभिमान था। विद्यार्थियों को संविधान के निर्माण का इतिहास, उनकी विशेषताएं एवं संविधान के लक्ष्य, उद्देश्य और वर्तमान में चुनौतियों संबंधी जानकारी दी गई। विद्यार्थियों के संविधान से संबंधित प्रश्नोत्तरी में कुमारी जिज्ञासा रानी, वंदना साहू, रूबी साहू, प्रेम कुमार, प्रिंस कुमार, रिया वर्मा, रूबी साहू, सपना एवं अमन साहू ने अच्छा प्रदर्शन गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक एवं संकाय के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

पाठक सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें- दुर्ग, भिलाई
9300663610, 7489348301

लंबे समय से ट्रांसपोर्टर अंडरब्रिज व ओवरब्रिज निर्माण कराने की मांग कर रहे

ट्रांसपोर्ट नगर हथखोज में दुर्घटना को दावत दे रहा नो मेंस रेलवे क्रॉसिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

औद्योगिक क्षेत्र हथखोज में भिलाई से नंदिनी माइंस गुड्स रेलवे लाइन पर मानव रहित रेल फाटक वाहनचालकों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। इस व्यस्ततम मार्ग पर वर्षों बाद भी जाम के साथ कई तरह की दिक्कतों से उद्यमियों, ट्रांसपोर्टरों सहित हजारों वाहन चालकों को जूझना पड़ रहा है। ट्रांसपोर्टरों ने यहां अंडरब्रिज व ओवरब्रिज निर्माण कराने की मांग की है।

उल्लेखनीय है कि औद्योगिक क्षेत्र हथखोज - कुम्हारी मार्ग चौबीस घंटे व्यस्त रहता है। यहां से भिलाई इस्पात संयंत्र से नंदिनी रेलवे लाइन गुजरती है और माल गाड़ी से संयंत्र के लिए कच्चे माल की ढुलाई होती है। हथखोज में रेलवे लाइन पर स्थित रेलवे क्रासिंग पर वर्षों बाद भी रेलवे फाटक नहीं है और किसी रेलवे कर्मचारी की तैनाती भी नहीं है। ट्रांसपोर्टरों ने बताया कि भिलाई दुर्ग में सभी रेलवे क्रासिंग पर रेल फाटक है । अधिकतर में ओवर ब्रिज और अंडरब्रिज भी बन गए हैं। लेकिन साठ साल बाद भी यहां रेलवे फाटक लगाया गया है और न ही ब्रिज का ही निर्माण किया गया है। इसका खामियाजा औद्योगिक क्षेत्र व ट्रांसपोर्टरों सहित इस मार्ग से गुजरने वाले हजारों वाहनचालकों को भुगतना पड़ रहा है। माल गाड़ियों के गुजरने के दौरान लंबा जाम लग जाता है।

बार-बार जाम और दुर्घटनाएं

औद्योगिक क्षेत्र और कुम्हारी मार्ग सुबह से देर रात तक व्यस्त रहता है। यहां से औद्योगिक क्षेत्र भिलाई व ट्रांसपोर्टनगर सहित भिलाई दुर्ग से कुम्हारी होकर रायपुर या आसपास के गांवों के लिए भी आवागमन होता है। रोज दस हजार से अधिक वाहन गुजरते हैं। छग ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रभुनाथ बैठा ने बताया कि हथखोज में रेलवे क्रासिंग पर माल गाड़ियों के गुजरने के समय जाम लगता रहता है। जाम में ट्रकें, हाइवा सहित आम वाहनों के फंसने से लोगों को भी दिक्कतें होती हैं। कई बार एंबूलेंस और फायर ब्रिगेड की गाड़ी भी जाम में फंसी रहती है। दुर्घटनाओं का अंदेशा बना रहता है। समस्या के निदान के लिए फौरी तौर पर माल गाड़ियों के गुजरने का समय निर्धारित किए जाने के साथ यहां ओवर ब्रिज या अंडरब्रिज निर्माण कराने की जरुरत है। इसकी मांग पूर्व में प्रशासन से की जा चुकी है। जल्द ही कलेक्टर से मिलकर समस्या के निदान की मांग की जाएगी।

online Booking:-www.tripuryatra.com
स्लीपर मात्र 9,500/-
सुनहरा अवसर

रायपुर, उसलापुर, तिल्दा से होकर
स्पेशल ट्रेन
13 फरवरी से 19 फरवरी 2026 (7 दिन)
द्वारकाधीश धाम यात्रा
श्री द्वारकाधीश, श्री द्वारकामठ, श्री सोमनाथ, श्री नागेश्वर ज्योतिर्लिंग, उज्जैन (श्री महाकालेश्वर)/माउंट आबू/स्टेच्यू ऑफ यूनिटी
ऑफर राशि: स्लीपर 9,500/-, 3 एसी-16,500/-, 2 एसी 22,500/- (+5% GST)
Since-2007
श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति
RAIPUR: D-36 Sector-4, Kamal Vihar, KORBA: Shop No. 301,302,303 S.S. Plaza Power House Road
संपर्क करें:-7354 411411

हरिभूमि

रायपुर, शुक्रवार 28 नवंबर 2025

लाइव

Email id- haribhoomibhilai@gmail.com

7747020002, Message at - 9755819129

ट्रॉफी के साथ विजेता टीम के खिलाड़ी व सदस्यगण

लाइव इवेंट

पुरुष नसबंदी को प्रोत्साहित करने पहल, 4 दिसंबर तक लगाएंगे शिविर

भिलाई। उरला नगर निगम चरोदा भिलाई 3 में स्वास्थ्य विभाग ने मोर मितान मोर संगवारी चौपाल आयोजित की गई। जहां पुरुष नसबंदी पखवाड़ा अंतर्गत प्रथम चरण में पुरूष नसबंदी के संबंध में विभिन्न भ्रांतियां व मिथकों को दूर किया गया। इस दौरान पुरुष नसबंदी अपनाने वाले हितग्राहियों ने अपने अनुभव नव दम्पतियों को बताए। विभाग द्वारा इन्हें पुरस्कृत किया गया।

दूसरे चरण में विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रो में पुरुष नसबंदी शिविर 28 नवंबर गुरुवार से शुरू किए गए हैं, जो 4 दिसंबर तक विभिन्न स्थलों में होंगे। कलेक्टर अभिजीत सिंह, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज दानी, खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ भुवनेश्वर कठौतिया, मेडिकल आफिसर डॉ. शिखर अग्रवाल व डा कीर्ति तिर्की के संयुक्त मार्गदर्शन में स्वास्थ्य संस्थानों और विभिन्न ग्रामों में जन जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा। बीईटीओ व शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम चरोदा भिलाई राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम के सैय्यद असलम ने बताया कि इस वर्ष स्वस्थ एंव खुशहाल परिवार-पुरुष सहभागिता से होगा यह सपना साकार की थीम को लेकर फील्ड में प्रतिदिन चौपाल कार्यक्रम के माध्यम से पुरुषों में नसबंदी को बढ़ावा देने कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। सैय्यद असलम ने बताया कि एनएसवीटी पुरुष नसबंदी सरल एवं आसान है। बिना चीर बार के दो टांकें के माध्यम से सर्जन चिकित्सक द्वारा किया जाता है। पुरुष नसबंदी कराने पर उसको शासकीय सेवा अथवा प्रायवेट लिमिटेड कंपनी ठेका मजदूरी में सात दिन के अवकाश की पात्रता रहतीं है। शासन हितग्राहियों के खाते में 3000 की राशि प्रोत्साहन राशि देती है। कार्यक्रम में एमटी कांति विभोर, एएनएम वर्षा वर्मा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पुष्पा साहू, मितानिन संतोषी पटेल, आंगनबाड़ी सहायिका कुसूम साहू आदि मौजूद थे।

सिटी इवेंट

विद्यार्थियों ने मनाया ब्रूसली का जन्मोत्सव, योगदान को किया याद

भिलाई। हाई स्कूल परसदा में महायोद्धा ब्रूसली के छाया चित्र में दीप प्रज्वलित व धूप जलाकर पुष्प अर्पित किया गया। जन्मदिन मनाकर अनुसरण कर कराते चैम्पियन व कराते प्रशिक्षक व स्कूल के शिक्षकगण ने भी ब्रूसली को याद किया।आचार्य हरीश ने बताया कि 27 नवंबर 1940 को जन्मे महायोद्धा ब्रूसली का गुरुवार के ही दिन जन्म हुआ था। उनकी माता ग्रेशली गृहणी थीं। उनके पिता हाइली एक पेशेवर कलाकार थे। अपने शरीर के प्रति प्रातः योगा, व्यायाम करते थे, जिसमें 6 वर्ष के आयु में ब्रूसली ने अपने पिता का मार्गदर्शन लिया। 12 वर्ष के उम्र में कराते के लिए ब्रूसली को हांगकांग भेज दिया। वहां यिपमैन नमक गुरु से प्रशिक्षण लिया। अगस्त 1964 से वे लगातार 9बार विश्व चैंपियन रहे। साथ ही ब्रूसली ने अनेकों फिल्मों काम किया। ब्लैकड्रेगन, गेम ऑफ डेथ, इंटर ऑफ ड्रेगन आदि फिल्म सुप्रसिद्ध हुए। ब्रूसली की मृत्यु 20 जुलाई 1973 को दुनिया को अलविदा कह दिया। मार्शल आर्ट, कुम्फु, कराते , इस कला को जीवन प्रदान करने का श्रेय ब्रूसली को ही है। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष वरुण पांडे, आचार्य हरीश, जिला संरक्षक अमर साहू, रामकुमार साहू, छन्नू बंजारे, कराते चैंपियन सुषमा डहरिया, प्राचार्य पीएस व्यास, जैन कुमार, यू वर्मा, तुलेश्वर प्रसाद सहित अन्य मौजूद थे।

सिटी इवेंट

अभिनेता धर्मेंद्र को नगमे सुनाते भिलाई के संजय का वीडियो वायरल

भिलाई। भिलाई स्टील प्लांट में सुदीर्घ सेवा देने के बाद स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया कार्पोरेट ऑफिस से हाल ही में सेवानिवृत्त हुए शहर के गायक संजय सिंह का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। अभिनेता धर्मेंद्र से जुड़े इस वीडियो में संजय सिंह उन्हें कुछ गीत सुना रहे हैं। संजय सिंह के यह वीडियो हालांकि साल भर पहले के हैं लेकिन अभिनेता धर्मेंद्र के देहावसान के बाद सोशल मीडिया में इस वीडियो को खूब देखा जा रहा है। कम लोग ही जानते हैं कि इस वीडियो में नजर आ रहे जिस गायक की धर्मेंद्र खूब सराहना कर रहे हैं, वह मूलतः भिलाई के हैं। इन दिनों नई दिल्ली में रह रहे संजय सिंह भी अभिनेता धर्मेंद्र के निधन से बेहद गमगीन हैं। संजय बताते हैं कि अपने पसंदीदा अभिनेता से उन्हें हाल के बरसों में दो बार उनके जुहू स्थित आवास पर मिलने का मौका मिला था। दोनों बार उन्होंने घंटों ना सिर्फ़ आपने जीवन की गाथा और चुटकुलों और शेरो- शायरी से बांधे रखा बल्कि अपने बगल में बैठा कर अपनी पुरानी फिल्मों के कई नगमे सुनते रहे। उन्होंने बताया कि फिल्म आपकी परछाईंयां के गीत मैं निगाहें तेरे चेहरे से हटाऊँ कैसे और प्यार ही प्यार के गीत देखा है तेरी आंखों में को अभिनेता धर्मेंद्र के समक्ष गाते हुए आज लोग सोशल मीडिया में खूब पसंद कर रहे हैं।

● सीएसवीटीयू एकीकृत राज्य स्तरीय बास्केटबॉल एवं क्रिकेट प्रतियोगिता का हुआ समापन

बॉस्केटबॉल के फाइनल में महिला ग्रुप जीईसी ने आरसीईटी रुंगटा-वन को हराया, पुरुष क्रिकेट में अंबिकापुर विजेता

भिलाई। छत्तीसगढ़ राज्य तकनीकी शिक्षा विभाग अंतर्गत सीएसवीटीयू द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय बास्केटबॉल और क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला गुरुवार को खेला गया दोनों आयोजनों में प्रदेश के इंजीनियरिंग, फार्मेसी और पॉलीटेक्निक महाविद्यालयों की अनेक टीमें शामिल हुईं। बास्केटबॉल प्रतियोगिता की मेज़बानी कृष्णा विकास इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल सांइस और रिसर्च महाविद्यालय रायपुर द्वारा किया गया। राज्य स्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता का फाइनल महिला वर्ग में जीईसी रायपुर विजेता रही। उपविजेता आरसीईटी आर वन की टीम रही। पुरुष वर्ग में विजेता आरसीईटी आर-वन भिलाई और उपविजेता एसएसआईपीएमटी रायपुर की टीम रही।

खेल से सीखने मिलता है टीमवर्क, अनुशासन और कड़ी मेहनत

बास्केटबॉल प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के प्रतिनिधि एवं वरिष्ठ प्रबंधन मनीष कुमार रहे। उन्होंने कहा खेल मैदान में सीखी गई टीमवर्क, अनुशासन और कड़ी मेहनत जीवन के हर क्षेत्र में सफलता का आधार बनते हैं। इंडियन ऑयल प्रतिभावान खिलाड़ियों को छात्रवृत्ति, प्रशिक्षण, कैरियर और व्यवसाय के अवसर प्रदान करता है, जिसका लाभ आईओसीएल के वेबसाइट पर अवलोकन कर पात्र खिलाड़ी ले सकते हैं। आगामी समय में छत्तीसगढ़ राज्य तकनीकी शिक्षा विभाग और आईओसीएल द्वारा संयुक्त रूप से तकनीकी शिक्षा के खिलाड़ियों हेतु कुछ बेहतर करने की दिशा में जो भी सहयोग होगा, उसे आईओसीएल परिवार सहर्ष करेगा। कार्यक्रम का विशेष क्षण तब बना जब खिलाड़ियों ने मुख्य अतिथि मनीष कुमार का जन्मदिन, पुरस्कार वितरण कार्यक्रम के दौरान उल्लासपूर्वक मनाकर यादगार बना दिया। कार्यक्रम में विशेष रूप से विश्वविद्यालय खेल निदेशक किशोर कुमार भारद्वाज उपस्थित रहे, जिन्होंने खिलाड़ियों को आगामी गतिविधियों की जानकारी दी। कृष्णा विकास इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंस एंड रिसर्च महाविद्यालय रायपुर की प्राचार्य डॉ. चंचलदीप कौर ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। विशिष्ट अतिथि केवीआईटी के प्राचार्य डॉ. डीएन देवांगन, वाइस प्रिंसिपल डॉ. संदीप सोनकर व वरिष्ठ प्रबंधक रजनीश नायर रहे। आयोजन का संपूर्ण व्यवस्था प्रोफेसर इंचार्ज खेल शंकर नागराजन व लिलिमा बघेल ने संभाला। समापन समारोह में प्रतियोगिता के पर्यवेक्षक लेफ्टिनेंट केपी यादव, खेल अधिकारी कोंडल राव चयनकर्ता, भारतीय टीम के खिलाड़ी किरनपाल सिंह और विनय जनबंधु, अम्पायर व रेफरी सहित प्रदेश के विभिन्न इंजीनियरिंग, फार्मेसी, पॉलीटेक्निक संस्थानों के प्रोफेसर इंचार्ज खेल व खेल अधिकारी एम एम बेग, ओंकार जायसवाल, गजेन्द्र साहू सहित खिलाड़ी और दर्शकों की बड़ी संख्या उपस्थिति रही।

क्रिकेट स्पर्धा के साथ महिला ग्रुप का ट्रायल

एकीकृत राज्यस्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता का भव्य समापन बीआईटी दुर्ग के मेजबानी में हुआ। क्रिकेट फाइनल परिणाम- पुरुष वर्ग विजेता जीईसी अंबिकापुर और उपविजेता विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग, सीएसवीटीयू भिलाई रहे वहीं महिला क्रिकेट टीम चयन ट्रायल के आधार पर गठित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीएससीएस के संयुक्त सचिव अजय तिवारी ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल जीवन में अनुशासन, एकाग्रता और धैर्य का श्रेष्ठ माध्यम है। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा जीवन और खेल दोनों में जीत वही पाता है, जो निरंतर सीखता है। गिरकर उठता है और स्वयं को बेहतर बनाने की जिद रखता है। इसी दौरान उन्होंने तकनीकी शिक्षा संस्थानों के प्रतिभाशाली क्रिकेटरों की सराहना करते हुए आश्वस्त किया कि राज्य के तकनीकी शिक्षा क्षेत्र में मौजूद उत्कृष्ट प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने, उन्हें उपयुक्त मंच दिलाने और उनके कौशल को राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाने के लिए हर संभव सहयोग दिया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता विवि खेल निदेशक किशोर कुमार भारद्वाज ने की। विशिष्ट अतिथि बीआईटी दुर्ग से इंचार्ज खेल डॉ. श्रवण पांडेय व डॉ. संतोष सार प्राध्यापक रासायन, डीडीसीए दुर्ग से सचिव प्रमोद पारख आशीष सूर्यवंशी चयनकर्ता, सुरेश साहू कोषाध्यक्ष उपस्थित रहे। 9 से 26 नवंबर तक चले इस नॉकआउट प्रतियोगिता कार्यक्रम का व्यवस्था मोर्चा संभालने का कार्य किया। जहां कार्यक्रम में 28 पुरुष टीम के बीच मुकाबले हुए एवं महिला टीम हेतु ट्रायल प्रतिभागी शामिल हुए।

कुष्ठ बस्ती में हेल्थ कैम्प, बांटे गए सैनेटरी पैड और जरुरत में उपयोग आने वाली दवाएं

दुर्ग। समर्पण फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा संचालित समर्पण चल चिकित्साल्य सेवा के माध्यम से राष्ट्रीय सेवा भारती, भारतीय कुष्ठ निवारण संघ और गुलशन कुमार चैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से स्व. सदाशिव गोविंद राव कात्रे स्मृति सेवा यात्रा का 19वां निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन डिपरापारा कुष्ठ कॉलोनी में किया गया।

महापौर अल्का वाघमार एवं वनवासी कल्याण आश्रम के संतोष कुमार प्रमुख रूप से मौजूद थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता धर्म जागरण समन्वय के विभाग संयोजक महेश कुमार नायडू ने की। जिला कुष्ठ अधिकारी डॉ. अभिषेक श्रीवास्तव, पार्षद गुलाब वर्मा, देव नारायण चंद्राकर, ज्ञानेश्वर ताम्रकार, नीलेश अग्रवाल, शशि साहू उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन पवन साहू ने किया। इस अवसर पर समर्पण

फाउंडेशन ट्रस्ट के संस्थापक रवि प्रकाश ने उपस्थित महानुभावों को संगठन के सेवा कार्यों और कुष्ठ बस्तियों में निवास करने वाले भाई-बहनों को समाज की मुख्य धारा में शामिल करने की आवश्यकता और इस दिशा में समर्पण फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा किए जा रहे प्रयासों की बारे में बताया। यह सेवा यात्रा 16 नवंबर को कोरबा से प्रारंभ हुई थी। कुल 21 निःशुल्क शिविरों के साथ गुरुवार को ही राजनांदगांव में सम्पन्न होगी। शिविर में बीपी, शुगर, सीबीसी, अल्सर प्रबंधन की जांच की गई। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने निशुल्क सेवाएं दी। दवाओं का वितरण किया गया। इस अवसर पर महिलाओं के लिए सेनेटरी पैड वितरण किया गया। कुष्ठ प्रभावितों को अल्सर केयर किट प्रदान किया गया। समर्पण फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा संचालित चल चिकित्साल्य सेवा पहल 10 राज्यों के 245 कुष्ठ कॉलोनियों में चल रही है। 1 लाख से अधिक परिवारों को लगातार स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान किया जा रहा है।

कला साधकों, गुरुओं और शहर के प्रतिष्ठित व्यक्तियों का हुआ सम्मान

भिलाई। छत्तीसगढ़ राज्य गठन की रजत जयंती समारोह राज्योत्सव 2025 के रूप में मनायी गई। इसमें अनेक कला साधकों, कला गुरुओं एवं प्रतिष्ठित व्यक्तित्व का सम्मान किया गया। इस कड़ी में संस्कार भारती संस्था के प्रांत अध्यक्ष रिखी क्षत्रीय को लोकनाट्य एवं लोक शिल्प के क्षेत्र में प्रतिष्ठित दाऊ मंदराजी सम्मान, संस्था के दुर्ग जिला इकाई अध्यक्ष प्रख्यात वायलिन वादक गुरु पं. कीर्ति माधव व्यास को शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में प्रतिष्ठित चक्रधर सम्मान एवं संस्था में मंत्री पद दायित्ववान ललेश्वरी साहू को महिला उत्थान एवं जनजागृति के क्षेत्र में प्रतिष्ठित मिनी माता सम्मान से सम्मानित किया गया। इनका सम्मान संस्था एवं प्रदेश के लिए गौरव की बात है। जो नई और युवा पीढ़ी का मार्गदर्शन करेगी। संस्कार भारती संस्था दुर्ग इकाई द्वारा अपने सम्मान प्राप्त सदस्यों के अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। गजानन महाराज मंदिर प्रांगण हुडको में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बसंत दादा कापरे थे। पुरस्कृत सदस्यों के साथ आचार्य महेश चंद्र शर्मा भी आसनित थे। महेश्वर नायडू ने रिखी क्षत्रिय, संस्था के कोष प्रमुख विकास पांडे ने कीर्ति माधव व्यास एवं डॉ. ज्योति धारकर ने ललेश्वरी साहू जी की जीवनी, कार्यों एवं उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। संस्था की ओर से निशु पांडे, गौतम शील आदि मौजूद थे।

सिटी इवेंट

उत्कल सांस्कृतिक परिषद जगन्नाथ मंदिर सेक्टर-6 में पारंपरिक उत्सव झोटी का आयोजन

माता लक्ष्मी की पूजा कर 100 से ज्यादा महिलाओं ने चावल के घोल से तैयार रंगोली से सजाया देवालय

कार्नर न्यूज

भिलाई। ग्रीनसिटी उत्कल सांस्कृतिक परिषद जगन्नाथ मंदिर सेक्टर 6 में गुरुवार को झोटी (रंगोली) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बता दें कि मार्गशीष मास के प्रत्येक गुरुवार को माता लक्ष्मी का पूजन उत्कल वासी द्वारा बड़े धूमधाम से घर घर में मनाया जाता है। इस पूजा मे एक दिन पहले बुधवार के दिन गाय के गोबर से घर आंगन को लिपा जाता है । उस पर लाल रंग के गेरु से गोला बनाया जाता है। चावल को भिगो कर पीसकर उसका घोल बनाया जाता है, उस घोल से झोटी (रंगोली)दिया जाता है। इस त्यौहार को पारंपरिक रीति रिवाज से मनाया जाता है। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी जगन्नाथ मंदिर सेक्टर 6 में झोटी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, इसमें 100 से अधिक महिलाओं ने भाग लिया।प्रतियोगिता में एक निर्णायक दल का गठन किया गया था। इसमें ज्योति पंडा, शय्यल साहू और सागरिका रथ द्वारा प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय विजेताओं की घोषण करना था। निर्णायक दल झोटी में माता लक्ष्मी की पूजा से संबंधित सभी चीजों को ध्यान में रख कर निर्णय लिया गया। प्रथम पुरस्कार ज्योतसना मलिक तो दिया गया, द्वितीय पुरस्कार झूली रानी को दिया गया। तृतीय पुरस्कार गीतांजलि त्रिपाठी को प्रधान किया गया।

महिलाओं द्वारा आयोजित उत्सव में प्रतिभागी हुए सम्मानित

इस कार्यक्रम का आयोजन उत्कल संस्कृतिक महिला मंडल द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम केआयोजन में विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर संजू साहू, अनीता मिश्रा, मिनती रथ, संध्या महापात्र, सरोजिनी पाणिग्रही, नमिता साहू, शय्यल साहू, झुनू पात्रो, पुष्पलताकर, अंजली चौधरी, विजयलक्ष्मी साहू, गीतांजलि साहू, गीतांजलि चौधरी, विजयलक्ष्मी पंडा, रीना दास, रेखा दास, पवित्रा मिश्रा, मंजू नाहक, प्राप्ति पाणिग्रही, सविता नाहक, सरिता साहू, ममता मिश्रा सहित अन्य उपस्थित थे। इस अवसर पर भगवान जगन्नाथ की विधि-विधान से पूजा अर्चना की गई। देवालय में भगवान का विशेष श्रृंगार किया गया। इसके बाद महाआरती हुई।

पुरोहितों ने बताया- झोटी त्योहार का महत्व

मंदिर पुरोहितों ने झोटी का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि यह एक कलात्मक त्योहार है, जो देवी लक्ष्मी की पूजा से जुड़ा है। विशेष रूप से फसल कटाई के मौसम में आयोजित किया जाता है। यह त्योहार घर की दीवारों और फर्श को चावल के पेस्ट से बनाए गए सुंदर रंगोली डिजाइनों से सजाने के लिए मनाया जाता है। इसका महत्व भक्ति, समुदाय और लोक कला की अभिव्यक्ति में है, और यह विवाहित महिलाओं द्वारा अपने घरों को शुभ बनाने के लिए मनाया जाता है। यह मुख्य रूप से खरीफ फसल के मौसम के बाद मनाया जाता है। इस दौरान अनाज को पीसकर भंडारित किया जाता है और देवी लक्ष्मी की पूजा की जाती है। महिलाएं चावल के पेस्ट का उपयोग करके दीवारों और फर्श पर सुंदर डिजाइन बनाती हैं, जो भक्ति और उत्सव का एक रूप है। यह एक पारंपरिक त्योहार है जो ग्रामीण ओडिशा की लोक कला का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह त्योहार विशेष रूप से विवाहित महिलाओं द्वारा अपने घरों में किया जाता है। झोटी चिता को विभिन्न अन्य त्योहारों जैसे विवाह, मनबासा गुरुबारा और राजा के दौरान भी बनाया जाता है।

सिटी इवेंट

खेल दिवस पर दौड़, रस्साकशी में जोरआजमाइश, विजेता सम्मानित

भिलाई। गुरु नानक इंग्लिश सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने अपना 56वां वार्षिक खेल दिवस बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया। निर्मल सिंह ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि विनोद नायर अंतरराष्ट्रीय वॉलीबॉल रेफरी तथा जसबीर सिंह चहल चेयरमैन सिख पंचायत ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत गुब्बारों का गुच्छा उड़ाकर उद्घाटन संबोधन, ध्वज फहराने, आकर्षक मार्च पास्ट और पीटी प्रदर्शन से हुई। इसके बाद विभिन्न खेल प्रतियोगिताएँ जैसे दौड़, रिले रेस और रस्साकशी आयोजित की गई। विद्यार्थियों ने अत्यंत ऊर्जा और खेल भावना के साथ सभी गतिविधियों में भाग लिया। मुख्य अतिथि, प्राचार्य तथा अन्य समिति सदस्यों द्वारा विजेता विद्यार्थियों को स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक प्रदान किए गए। उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर ब्लू हाउस (फतेह सिंह) को सर्वश्रेष्ठ हाउस घोषित किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिनमें गुरनाम सिंह, बलदेव सिंह, कुलदीप सिंह, हरपाल सिंह, बलजिंदर सिंह कलेर, बलविंदर सिंह, सौदागर सिंह, जसबीर सिंह एवं रंजीत सिंह, एस तेजपाल सिंह, अमरजीत सिंह मौजूद थे। कार्यक्रम का अंत विद्यार्थियों को खेलों में सक्रिय रहने हेतु प्रेरित करने वाले एक संक्षिप्त समारोह के साथ किया।

सिटी लाइव

गर्ल्स कॉलेज में स्टूडेंट क्रिएटिव कार्नर का हुआ शुभारंभ

दुर्ग। गर्ल्स कॉलेज में प्राचार्य डॉ. रंजना श्रीवास्तव के मार्गनिर्देशन में स्टूडेंट क्रिएटिव कार्नर का शुभारंभ किया गया। उच्च शिक्षा विभाग के दिशानिर्देश के अनुसार क्रिएटिव कर्कानर की स्थापना किया जाना है, यह एक ऐसा स्थान है जहां छात्रा अपनी रचनात्मक और कलात्मक प्रतिभाओ की विकसीत कर सकते है जैसे कि कला, शिल्प, संगीत, नृत्य, लेखन एवं डिजिटल कार्य आदि। प्राचार्य डॉ. रंजना श्रीवास्तव के अनुसार छात्राओं को पढ़ाई से दूर अपने शौक पूरे करने नए विचारों का आदान प्रदान करने और अपनी कल्पनाशीलता को निखारने का एक मंच प्रदान करने हेतु महाविद्यालय में ही. एक स्थान क्रिएटिव कॉर्नर है।

प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि छात्र रचनात्मक उद्योग में नए अनछुए दृष्टिकोण लेकर आते है, नवीनतम रुझानों, तकनीकों और सांस्कृतिक बदलावो में डूबे युवा कला, डिजाईन और नवाचार को दुनिया के दृष्टिकोण से प्रभावित करने की एक अनूठी स्थिति में होते हैं। वे नए विचार लाते है, पुरानी धारणाओं को चुनौती देते हैं। अभिनव समाधान प्रस्तुत करते है। इन विचारों को विकसीत करने के लिए महाविद्यालय एक आर्दश वातावरण है। विविध संसाधनो और प्राध्यापको के मार्गदर्शन तक पहुँच के साथ छात्र अपने कौशल की निखार कर सकते हैं। मौलिकता के महत्व और रचनात्मक समस्या समाधान की शक्ति सीखते हैं। इस अवसर पर प्रदर्शन कला विभाग द्वारा अनूठी एवं उत्कृष्ट प्रस्तुति विभागाध्यक्ष डॉ. मिलिंद अमृतफले एवं मूर्तिकला विभाग की तृप्ति खरे चित्रकला विभाग की रोशनी साहू एवं नृत्य विभाग की सृष्टि मन्ना के सहयोग से की गई।

सिटी इवेंट

सतनामी समाज का युवक-युवती परिचय सम्मेलन एवं आदर्श विवाह 30 को

भिलाई। पिछले 20 वर्षों से निरंतर सामाजिक परंपरा और वैवाहिक सरलता को बढ़ावा देते हुए गुरु घासीदास सेवा समिति भिलाई नगर द्वारा आयोजित किया जाने वाला छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय सतनामी समाज युवक-युवती परिचय सम्मेलन एवं आदर्श विवाह समारोह इस वर्ष भी उसी गरिमा और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ 30 नवम्बर को सतनाम भवन, सेक्टर-6 भिलाई नगर में आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन समाज में व्यवस्थित, पारदर्शी और आर्थिक रूप से सहज विवाह व्यवस्था को बढ़ावा देने का एक सशक्त माध्यम बना है। विभिन्न क्षेत्रों से आए युवक-युवती अपने परिचय को पूरे समाज के समक्ष प्रस्तुत करते हैं, जिससे अलग-अलग स्थानों की यात्रा, खर्च, समय और कठिनाइयों से बचत होती है। परिवार एक ही स्थान पर योग्य परिचय प्राप्त कर लेते हैं, जिससे सामाजिक सहयोग, सरलता और समानता की भावना मजबूत होती है। आर्थिक बोझ को ध्यान में रखते हुए समिति द्वारा आदर्श विवाह आयोजन भी शामिल किया गया है, जो उन परिवारों के लिए विशेष रूप से सहायक है जो अधिक खर्च वहन करने में सक्षम नहीं हैं। यह प्रयास समाज में सरल, मर्यादित और आदर्श वैवाहिक परंपरा की दिशा में एक महत्वपूर्ण संदेश प्रस्तुत करता है। इस वर्ष के आयोजन की विशेषता यह है कि समिति समाज के गौरव आकांक्षा सत्यवंशी, जिन्होंने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की फिजियोथेरेपिस्ट के रूप में कार्य करते हुए वर्ल्ड कप विजेता टीम का हिस्सा बनकर सतनामी समाज को पूरे देश और दुनिया में गौरवान्वित किया है। इसके साथ ही, समाज के विशिष्ट व्यक्तित्व, जो छत्तीसगढ़ राज्य अलंकरण 2025 से सम्मानित हुए हैं। गुरुघासीदास सम्मान भुवनदास जांगड़े एवं शशि सतनामी, देवदास बंजारे सम्मान रोहित कोसारिया, श्रम अलंकरण राजकुमार भास्कर इन सभी सामाजिक गौरव का सम्मान समिति व अतिथियों के द्वारा सम्मान मंच पर किया जायेगा। ऑनलाइन पंजीयन की सुविधा, लिंक भी जारी समिति ने इस वर्ष आधुनिकता और सुविधा को प्राथमिकता देते हुए पंजीयन प्रक्रिया को वेबसाइट के माध्यम से पूर्णतः ऑनलाइन कर दिया है: https://satnambhawan.in/ । इस डिजिटल व्यवस्था के माध्यम से अब तक 300 से अधिक युवक-युवतियों के पंजीयन प्राप्त हो चुके हैं, जो समाज में तकनीकी स्वीकार्यता और सक्रिय सहभागिता का प्रमाण है।

● संविधान दिवस पर जगह-जगह कार्यक्रम, संविधान के मूल्यों के पालन की ली शपथ

न्यायिक प्रक्रिया की गुणवत्ता, संवैधानिक मूल्यों के संरक्षण और न्याय प्रणाली को अधिक सुलभ बनाने का लिया संकल्प

भिलाई/दुर्ग। संविधान दिवस के उपलक्ष्य पर जिला न्यायालय के नवीन सभागार में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा न्यायाधीशगण, अधिवक्तागण तथा अभियोजन अधिकारियों की संयुक्त कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में न्यायिक प्रक्रिया की गुणवत्ता, संवैधानिक मूल्यों के संरक्षण और न्याय प्रणाली को अधिक सुलभ एवं प्रभावी बनाने पर व्यापक विचार-विमर्श किया गया। उक्त कार्यक्रम प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश दुर्ग की अध्यक्षता में संपन्न हुई। कार्यक्रम के प्रारंभ में तृतीय जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश ने कहा कि संविधान दिवस केवल एक औपचारिक अवसर नहीं, बल्कि न्याय प्रदान करने की प्रक्रिया में मूलभूत नैतिक संकल्पों का पुनःस्मरण है। उन्होंने जोर दिया कि प्रत्येक अधिवक्ता, न्यायिक अधिकारी और अभियोजन अधिकारी को संविधान की मंशा को समझते हुए कार्य करना चाहिए।कार्यक्रम में संविधान दिवस के महत्व को चित्रित करती हुई रंगोली बनाई गई। पैरालीगल वॉलेंटियर एवं केंद्रीय जेल दुर्ग के बंदियों द्वारा बनाई गई पेंटिंग्स का भी प्रदर्शन किया गया। संविधान की प्रस्तावना के सामूहिक वाचन एवं संवैधानिक मूल्यों के पालन के संकल्प के साथ हुआ।

अधिवक्ता संविधान के संरक्षकों में प्रमुख भूमिका में

जिला अधिवक्ता संघ की अध्यक्ष नीता जैन ने अपने संबोधन में कहा कि अधिवक्ता संविधान के संरक्षकों में प्रमुख भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि युवा अधिवक्ताओं को संविधान के सिद्धांतों की गहराई से समझ विकसित करनी चाहिए तथा पेशे की गरिमा बनाए रखते हुए वकालत के माध्यम से समाज में न्यायपूर्ण वातावरण स्थापित करना चाहिए। उन्होंने न्यायपालिका और अधिवक्ताओं के बीच सौहार्दपूर्ण संबंधों को न्यायिक व्यवस्था की मजबूती का आधार बताया।

संविधान आदर्शों पर आधारित जीवंत दस्तावेज

जिला एवं सत्र न्यायाधीश के विनोद कुजूर ने कहा कि भारत का संविधान न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के आदर्शों पर आधारित एक जीवंत दस्तावेज है, जो न्यायपालिका, अधिवक्ताओं और अभियोजन अधिकारियों को नागरिकों के अधिकारों की रक्षा हेतु स्पष्ट मार्गदर्शन प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि न्यायिक प्रक्रिया तभी सार्थक होती है जब सभी संवैधानिक सिद्धांतों को व्यावहारिक रूप से लागू किया जाए और प्रत्येक व्यक्ति को त्वरित एवं प्रभावी न्याय मिले। उन्होंने यह भी कहा कि न्यायालय, अधिवक्ता संघ और अभियोजन इन तीनों संस्थाओं के बीच समन्वय एवं सहयोग से ही न्याय व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, कुशल और संवेदनशील बनाया जा सकता है।

सुराना लॉ कॉलेज के स्टूडेंट्स ने संविधान की महत्ता को समझा

संविधान दिवस पर सुराना लॉ कॉलेज में न्यायाधीश द्वारा प्रेरक उद्बोधन दिया गया। न्यायाधीश ने छात्र-छात्राओ एवं संकाय सदस्यों को संविधान की महत्ता और उसके मूल उद्देश्यों से अवगत कराते हुए प्रेरक उद्बोधन दिया। न्यायाधीश ने कहा कि भारत का संविधान केवल एक विधिक दस्तावेज नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक आकांक्षाओं, मूल्यों और लोकतांत्रिक आदर्शों का जीवंत प्रतीक है। यह प्रत्येक नागरिक को समानता, स्वतंत्रता, न्याय और गरिमा के साथ जीवन जीने की शक्ति प्रदान करता है। उन्होंने संविधान निर्माताओं की दूरदृष्टि, प्रतिबद्धता और अदम्य संकल्प का स्मरण करते हुए कहा कि आज का दिन हमें उनके त्याग और राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पण को सम्मान देने का अवत्तर प्रदान करता है। कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राओं ने संविधान के इतिहास, महत्त्व तथा नागरिकों के अधिकारों एवं कर्तव्यों से संबंधित विचारों को गंभीरता से सुना। सेठ रतन चंद सुराना लॉ कॉलेज के प्राचार्य एवं संकाय सदस्यों द्वारा न्यायाधीश के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

भाजपाजनों ने संविधान दिवस मनाया, संकल्पों को दोहराया

संविधान दिवस के अवसर पर दुर्ग जिला भाजपा कार्यालय में जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक की अध्यक्षता में भारत माता संविधान निर्माता बाबा साहब अंबेडकर एवं संविधान के किताब पर पुष्प अर्पित कर संविधान दिवस मनाया गया। सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि भारतीय संविधान देश की आत्मा और सर्वोच्च विधान है। यह केवल नियमों और कानूनों का संग्रह नहीं, बल्कि एक ऐसा पवित्र ग्रंथ है, जो हमें एक राष्ट्र के रूप में दिशा दिखाता है और दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के सुचारु संचालन की गारंटी देता है। यह हमें उस ऐतिहासिक यात्रा की याद दिलाता है जो स्वतंत्रता के बाद राष्ट्र निर्माण के लिए आवश्यक थी। यह दिवस हमें यह भी याद दिलाता है कि हमारा संविधान विभिन्न धर्मों, भाषाओं और संस्कृतियों वाले करोड़ों लोगों को 'एकता' के धागे में पिरोता है। डॉ. भीमराव अंबेडकर के अतुलनीय समर्पण और अथक परिश्रम का सम्मान करता है।

साइंस कॉलेज में संविधान दिवस पर व्याख्यान

संविधान दिवस के अवसर पर शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं राजनीति विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन एवं शपथग्रहण समारोह उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों में संवैधानिक मूल्यों—न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने संविधान निर्माताओं विशेषकर डॉ. भीमराव अंबेडकर के योगदान को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए की गई। राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ शकील हुसैन ने संविधान दिवस मनाए जाने एवं इसके महत्व से अवगत कराया।संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया। इस दौरान सभी ने राष्ट्र के प्रति संवैधानिक कर्तव्यों के पालन की शपथ ली।

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव

जिला स्तरीय रंगोली, पोस्टर, चित्रकला प्रतियोगिता में विजेता हुए पुरस्कृत

भिलाई। छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के अंतर्गत औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था दुर्ग में जिला स्तरीय मॉडल, शिल्पकला प्रतियोगिता तथा रंगोली एवं पोस्टर, चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों दुर्ग, भिलाई, पाटन, धमधा, रसमड़ा एवं लिटिया आईटीआई के प्रशिक्षणार्थियों ने अपनी उत्कृष्ट कला का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। चयनित विजेताओं को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता हेतु नामित किया गया, जिससे उन्हें अपनी कला को और व्यापक मंच पर प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। इस अवसर पर प्रतिभागियों ने अपने मॉडल, शिल्पकला एवं चित्रकला के माध्यम से सृजनशीलता और कौशल का अद्भुत उत्कर्ष प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता ने न केवल प्रशिक्षणार्थियों की प्रतिभा को उजागर किया, बल्कि सामूहिक उत्साह और सांस्कृतिक एकता का भी संदेश दिया। उक्त कार्यक्रम में संस्था के समस्त प्रशिक्षण अधिकारी एवं प्रशिक्षणार्थी उपस्थित थे ।

निबंध लेखन का आयोजन

लोकतंत्र की आधारशिला विषय पर हुई निबंध लेखन प्रतियोगिता

भिलाई। भिलाई महिला महाविद्यालय के शिक्षा संकाय द्वारा संविधान दिवस पर संविधान लोकतंत्र की आधारशिला विषय पर निबंध लेखन का आयोजन किया गया। भारत का संविधान प्रत्येक जनता की नींव है, 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू हुआ था। भीमराव अंबेडकर को संविधान निर्माता के रूप में विशेष रूप से याद किया जाता है। इसी तारतम्य में निबंध का आयोजन किया गया। प्राचार्या प्रतिभा छाया क्लाडियस का विशेष योगदान रहा। शिक्षा संकाय की विभागाध्यक्ष डॉ. मोहना सुशांत पंडित, डॉ. हेमलता सिदार, आशा आर्या, रोमा टंडन उपस्थित रहे।

सेक्टर 7 में बालिका अस्मिता लीग एथलेटिक्स आज

भिलाई। दुर्ग जिला एथलेटिक्स संघ के सचिव पीजे सेबेस्टियन ने बताया कि एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ़ इंडिया के निर्देशानुसार खेलो इंडिया अस्मिता एथलेटिक्स लीग 2025-26 का आयोजन पूरे देश में किया जा रहा है। इसी क्रम में दुर्ग जिला को भी शामिल किया गया है। 28 नवम्बर को हायर सेकंडरी स्कूल सेक्टर-7 में सुबह 9 बजे से खेलो इंडिया अस्मिता एथलेटिक्स लीग का आयोजन किया जायेगा। इस आयोजन से नई प्रतिभाओ को आगे आने का मौका मिलेगा। खेलो में बालिकाओ की भागीदारी मजबूत होगी। दुर्ग जिला एथलेटिक्स संघ के सचिव पीजे बेस्टियन ने बताया कि इस प्रतियोगिता में केवल दुर्ग जिला की बालिका खिलाड़ी ही भाग ले सकती हैं। प्रत्येक खिलाडी को आधार कार्ड एवं जन्म प्रमाण पत्र लाना अनिवार्य है। इस दौरान लंबी कूद, ऊंची कूद, बैक थ्रो, किड्स जेवलिन, शॉटपुट, डिस्कस थ्रो, जेवलिन थ्रो का आयोजन किया जाएगा। एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ़ इंडिया के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। खिलाडियों को मैडल और सर्टिफिकेट एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ़ इंडिया के द्वारा प्रदान किए जाएंगे। प्रतियोगिता पूरी तरह निशुल्क है।

सत्य सांई बाबा के जन्मोत्सव पर हेल्थ कैम्प और रक्तदान शिविर का आयोजन

कार्नर न्यूज

हेल्थ कैम्प में बीपी, शुगर और सीबीसी की जांच, रक्तदान शिविर में किया ब्लड डोनेट

दुर्ग। सत्य साई बाबा का जन्म शताब्दी समारोह आयोजित हुआ। नगर के गुरु घासीदास वार्ड 44 में स्थित प्रशांति निलियम मंदिर में सत्य साई सेवा समिति के तत्वावधान में जन्म शताब्दी समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत तीन बार ओंकार से हुई। प्रायोजित कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नगर के प्रथम नागरिक नगर निगम की महापौर अलका बाघमार थीं। उनके स्वागत के लिए समिति के गोद लिए ग्राम कोकड़ी के बाल विकास के नौनिहाल ने महत्व पूर्ण भूमिका निभाई। आयोजित जन्म शताब्दी समारोह में न्यू आदर्श नगर की बाल विकास गुरु निशा ठाकुर कसारीडीह के बाल विकास गुरु तृप्ति नायडू और सृष्टि तिवारी एवं ग्राम कोकड़ी के बाल विकास गुरु तोमेश्वरी साहू और लोकेश्वरी साहू इन बाल विकास गुरुओं के द्वारा मूल्यवान प्रेरक नृत्य की प्रस्तुति दी गई, जो आकर्षक और प्रेरणादाई थी।

नौनिहालों को दिया संदेश

समिति की वरिष्ठ साईं भक्त यमला साहू ने बाबा के जीवन परिचय और उनके द्वारा किए गए कार्यों की जानकारी दी। विश्व कुमार तिवारी द्वारा बाल विकास के नौनिहालों को अनुशासन आध्यात्मिक प्रेरक और मूल्यवान संदेश दिया। समिति के द्वारा निर्धारित सेवा क्षेत्र में चिकित्सा सेवा में उत्कृष्ट योगदान के लिए नगर के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. मानसी गुलाटी स्त्री रोग विशेषज्ञ, डॉ. हर्षिता तिवारी दंत चिकित्सक, डॉ. अभिषेक खरे दंत चिकित्सक, अरुण सिंह एवं उनके सहयोगी विज्ञान विकास केंद्र की प्रशासनिक अधिकारी उर्मिला ओझा, शुभम चंद्राकर एवं उनके सहयोगी ने सेवाएं दी। कार्यक्रम का संचालन दिलीप ठाकुर, गौरव ठाकुर ने किया। संयोजक गौरव ठाकुर ने किया। समिति की महिलाओं के द्वारा महामंगल आरती दीप प्रज्वलन से किया गया। मुख्य अतिथि ने बाबा के सेवा कार्य की सराहना करते हुए सार गर्भित जानकारी दी।कार्यक्रम में बीपी पांडे, आईएल साहू, आरएच राव, वाईपी चौधरी, आरके तिवारी, हरीश चंद ठाकुर, सौरव पांडे, नवीन त्रिपाठी, राजू सोनी, राजेंद्र साहू, पदुम निषाद, अजय सोनी, विजय सोनी, गोपाल सेन, रंगदमन राजपूत आदि मौजूद थे।

ज्योतिष

पर्स में कभी ना रखें ये चीजें, तरक्की और खुशियों पर लग सकता है ग्रहण

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार पर्स को सिर्फ पैसे रखने का साधन नहीं बल्कि समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक भी माना जाता है। पर्स में कुछ चीजें रखने से धन की बरकत होती है, जबकि कुछ चीजें रखने से आर्थिक तंगी आ सकती है। ऐसा करने से किस्मत आपसे रूठ जाती है और नकारात्मक ऊर्जा, आर्थिक संकट और लगातार परेशानियों बढ़ जाती हैं।

हर वस्तु में एक खास तरह की ऊर्जा होती है। कुछ वस्तुएं सकारात्मकता को बढ़ाती हैं, जबकि कुछ वस्तुएं नकारात्मक प्रभाव पैदा करती हैं। ऐसे में अगर आप भी जाने-अंजाने में पर्स में कुछ ऐसी चीजों को रख लेते हैं, जिसका सीधा प्रभाव आपकी तरक्की और खुशियों पर पड़ता है। तो वास्तु के इन विशेष नियमों को जरूर जान लें।

दवाइयां

पर्स में कभी भी दवाइयां नहीं रखनी चाहिए। वास्तु के अनुसार, पर्स में दवाइयां रखने से नकारात्मक ऊर्जा आती है जो आर्थिक नुकसान का कारण बन सकती है।

पुराने बिल और रसीदें

कुछ लोग पुराने बिल या कुछ रसीदें अपने पर्स में ही संभाल कर रखते हैं। वास्तु के अनुसार, पुरानी रसीदें और बिल नकारात्मक ऊर्जा का कारण बनते हैं। इसके अलावा यह आर्थिक बाधाओं को भी बढ़ाते हैं, इसलिए इन्हें पर्स में नहीं रखना चाहिए।

फटे नोट

कई लोग अपने पर्स में फटे व गंदे नोट रखते हैं। वास्तु केअनुसार, पर्स में फटे नोट रखने से धन की हानि होने लगती हैं। यदि आपके पास भी कुछ ऐसे नोट हैं तो उन्हें तुरंत पर्स से निकाल देना चाहिए।

बेकार धातु की वस्तुएं और पुरानी चाबियां

पर्स में पुरानी चाबियां, जंग लगे सिक्के, पिन या किसी भी प्रकार की बेकार धातु वस्तु से पर्स में रुकावट उत्पन्न होती है। इससे धन प्रवाह में रुकावट आती है और साथ ही साथ नकारात्मकता भी बढ़ती है।

धन और सुख-समृद्धि के लिए आग्नेय कोण में होनी चाहिए रसोई घर

वास्तु शास्त्र के अनुसार अगर घर का हर एक हिस्सा नियमों के अनुरूप हो तो वहां पर हमेशा सुख-समृद्धि और संपन्नता का वास होता है। जिन घरों में घर का कोई भी हिस्सा वास्तु के अनुरूप न बना हो तो व्यक्ति के जीवन में दरिद्रता बनी रहती है। ऐसे में घर पर हमेशा नकारात्मक ऊर्जा और दरिद्रता का वास होता है। घर में रसोई घर का खास महत्व होता है। यह एक ऐसा स्थान है जहां परिवार के बेहतर स्वास्थ्य के लिए भोजन तैयार किया जाता है। ऐसे में इसका सकारात्मक होना जरूरी है। वास्तु के नियम के अनुसार घर में अग्नितत्व की दिशा आग्नेय कोण (दक्षिण-पूर्व) में रसोई का होना अच्छा माना जाता है। आग्नेय दिशा,अग्नि के कारण रसोई लिए उपयुक्त मानी गई है। अगर इस दिशा में रसोई घर का निर्माण संभव न हो तो घर के उत्तर-पश्चिम भाग में बनाएं।

रसोईघर और वास्तु नियम

- रसोईघर में चूल्हा आग्नेय कोण में रखें। खाना पकाने वाले का मुख पूर्व दिशा की ओर होना चाहिए। इससे धन में वृद्धि होगी और स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।
- पीने योग्य पानी के बर्तन और हाथ धोने के लिए नल ईशान कोण में होना चाहिए। रसोई में सिंक यानि कि बर्तन धोने की दिशा के लिए उत्तर-पश्चिम दिशा शुभ मानी गई है। टोस्टर, गीजर या माइक्रोवेव, ओवन आग्नेय कोण में रखना लाभदायक होगा। मिक्सर, आटा चक्की, जूसर आदि आग्नेय कोण के निकट दक्षिण में रखना शुभ होगा।
- यदि रेफ्रीजिरेटर रसोई में रखना है तो इसे दक्षिण या पश्चिम दिशा की ओर रखें। ईशान या नैऋत्य कोण पर बिल्कुल नहीं रखें।
- मसाले के डिब्बे, बर्तन, चावल, दाल, आटा आदि के डिब्बे दक्षिण या दक्षिण-पश्चिम में रखना वास्तु सम्मत है। खाली सिलेंडर नैऋत्य कोण में रखें एवं प्रयोग होने वाला सिलेंडर दक्षिण दिशा की ओर रखें।
- वास्तु के अनुसार रसोई की दीवारों का रंग हल्का नांरगी होने के साथ क्रीम रंग करवाना शुभता में वृद्धि करेगा। रसोईघर में काले और नीले रंग के प्रयोग से बचें।

शारीरिक और मानसिक दोनों सेहत के लिए नुकसानदायक है डेस्क जॉब

लगातार डेस्क जॉब करना भी जोखिम से भरा अल्जाइमर-डिमेंशिया का बढ़ता जा रहा खतरा

डेस्क जॉब या लंबे समय तक एक स्थान पर बैठकर काम करते रहने की आदत को पहले के अध्ययनों में कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं वाला बताया गया है। लॉन्ग सिटिंग जॉब्स के कारण सेंडेंटरी लाइफस्टाइल का जोखिम बढ़ जाता है, जिसको शारीरिक और मानसिक दोनों प्रकार की सेहत के लिए नुकसानदायक माना जाता रहा है। अगर आप भी रोजाना 8-10 घंटे बैठकर काम करते हैं तो अपनी सेहत को लेकर अलर्ट रहने की आवश्यकता है। शोधकर्ताओं ने बताया कि डेस्क जॉब वालों में समय के साथ गंभीर न्यूरोलॉजिलकल विकारों के विकसित होने का जोखिम हो सकता है, यह आपमें अल्जाइमर जैसी गंभीर बीमारियों के खतरे को भी बढ़ाने वाली हो सकती है।

अल्जाइमर रोग, डिमेंशिया के प्रमुख कारणों में से एक है, आमतौर पर इसका जोखिम 60 की उम्र के बाद वाले लोगों में देखा जाता रहा है। हालांकि इस शोध में बताया गया है कि जॉब करने वाले लोगों में भी इस रोग का जोखिम बढ़ता जा रहा है, जिसको लेकर सभी लोगों को अलर्ट रहने की आवश्यकता है।

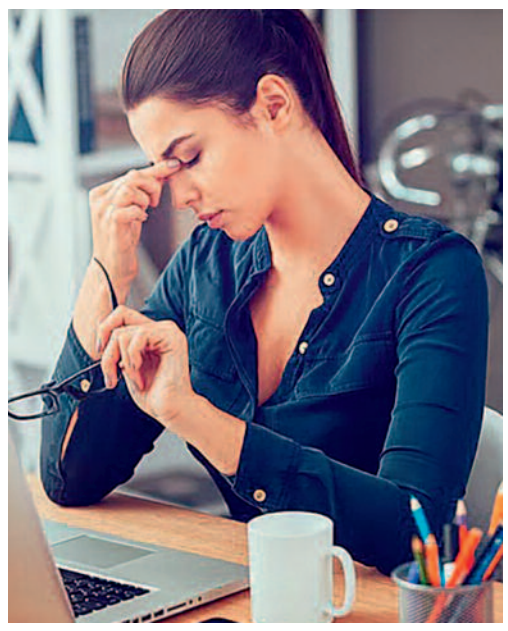

सेंडेंटरी लाइफस्टाइल और डिमेंशिया का खतरा

कुछ दशकों पहले तक वयस्कों में डिमेंशिया या अल्जाइमर रोग के खतरे को न के बराबर माना जा रहा था, हालांकि समय के साथ इस आयुवर्ग में भी इस प्रकार के स्वास्थ्य जोखिमों को बढ़ते हुए देखा गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, वर्तमान में 55 मिलियन लोग अल्जाइमर-डिमेंशिया से पीड़ित हैं।

लाइफस्टाइल की समस्याओं के चलते इस तरह की समस्याओं को जोखिम और भी बढ़ गया है। इससे संबंधित जामा जर्नल में प्रकाशित अध्ययन में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया अगर आप रोजाना 10 घंटे से अधिक की सिटिंग जॉब करते हैं तो ये स्थिति आपमें डिमेंशिया के विकसित होने का कारण हो सकता है।

गतिहीन व्यवहार सेहत के लिए हानिकारक

लेखकों ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि आधे से ज्यादा अमेरिकी लोगों के दिन का करीब साढ़े नौ घंटे से अधिक का समय बैठे हुए बीतता है और ये आदत संज्ञानात्मक और संरचनात्मक मस्तिष्क की उम्र बढ़ने से जुड़ी हुई है। गतिहीन व्यवहार में सिर्फ ऑफिस में लंबे समय तक बैठना ही नहीं, लंबे समय तक बैठकर टेलीविजन देखना, कंप्यूटर पर काम करना और गाड़ी चलाना भी इसमें शामिल है।

अध्ययन में क्या पता चला?

गतिहीन व्यवहार किस प्रकार से मस्तिष्क के लिए समस्याकारक है, इसको जानने के लिए शोधकर्ताओं ने यूके बायोबैंक से डेटा एकत्र किया। प्रतिभागियों को एक सप्ताह के लिए अपनी कलाई पर एक्सेलेरोमीटर पहनने के लिए कहा गया। फिर एकत्र किए गए डेटा पर एक मशीन लर्निंग-आधारित विश्लेषण किया गया ताकि यह आकलन किया जा सके कि वे कितने गतिहीन थे। डेटा का विश्लेषण किया गया, तो पता चला कि जो लोग दिन में लगभग 10 घंटे गतिहीन रहते थे, उनमें डिमेंशिया का खतरा अधिक था।

क्या कहते हैं स्वास्थ्य विशेषज्ञ?

डिमेंशिया के जोखिमों के बारे में अध्ययनकर्ता डॉ. शारा कोहेन कहती हैं, सेंडेंटरी लाइफस्टाइल को पहले से ही कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं के लिए जिम्मेदार माना जाता था, जिसमें मोटापा, उच्च रक्तचाप और मधुमेह जैसी समस्याएं थीं, इसके कारण अब डिमेंशिया का जोखिम भी बढ़ता हुआ देखा जा रहा है। शारीरिक निष्क्रियता, वैस्कुलर हेल्थ के लिए भी हानिकारक है, ये मस्तिष्क में रक्त के प्रवाह को कम करके सेरेब्रोवास्कुलर रोग होने की आशंका को बढ़ा सकती है।

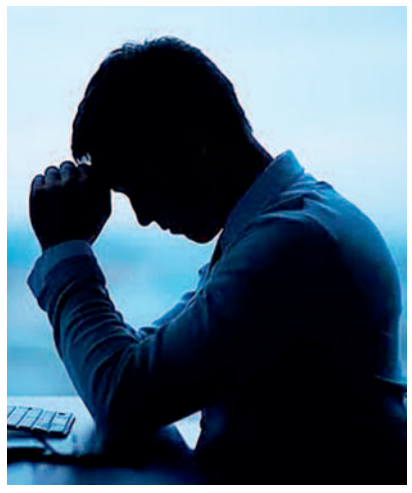

दिल की तरह दिमाग को भी फेल कर देता है हाई ब्लड प्रेशर

गड़बड़ दिनचर्या और खराब खान-पान के कारण कई प्रकार की बीमारियों का खतरा तेजी से बढ़ता जा रहा है। यही कारण है कि 90 के दशक की तुलना में अब कम उम्र के लोगों में भी तरह-तरह की क्रॉनिक बीमारियां बढ़ती जा रही हैं। हाइपरटेंशन यानी हाई ब्लड प्रेशर की दिक्कत भी उनमें से एक है, जिसका अब बच्चे भी शिकार देखे जा रहे हैं। ब्लड प्रेशर की समस्या भले ही सुनने में काफी आम लगती हो, पर असलियत में ये बहुत गंभीर और समस्याकारक होती है। इससे दिल की बीमारियों के साथ-साथ किडनी, नसों और शरीर के अन्य अंगों पर भी असर हो सकता है।

आमतौर पर हाई ब्लड प्रेशर को हार्ट अटैक का सबसे प्रमुख कारण माना जाता है। उच्च रक्तचाप के कारण हृदय को सामान्य से ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। इससे हार्ट की मांसपेशियां कमजोर होने लगती हैं और हार्ट फेलियर या अचानक हार्ट अटैक का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। हाई ब्लड प्रेशर का दिमाग की कार्यक्षमता पर भी नकारात्मक होता है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ कम उम्र से ही सभी लोगों को ब्लड प्रेशर कंट्रोल रखने वाले उपाय करते रहने की सलाह देते हैं।

ब्लड प्रेशर के कारण ब्रेन की समस्याएं

अब इससे संबंधित एक हालिया रिपोर्ट में विशेषज्ञों ने ब्लड प्रेशर के कारण दिमाग पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को लेकर भी सावधान किया है। वेल कॉर्नेल मेडिसिन की एक नई प्रीक्लिनिकल अध्ययन के अनुसार, हाइपरटेंशन दिमाग को पहले से कहीं ज्यादा नुकसान पहुंचा रहा है। लिहाजा अब मस्तिष्क से संबंधित समस्याओं का जोखिम भी पहले की तुलना में काफी अधिक हो सकता है। विशेषज्ञों ने बताया कि ब्लड प्रेशर में मापने लायक बढ़ोतरी होने से पहले भी दिमाग पर इसका नकारात्मक असर होने की आशंका हो सकती है। ये बदलाव स्ट्रोक, अल्जाइमर जैसी बीमारियों के खतरे को और भी बढ़ाने वाले हो सकते हैं।

दिमाग से संबंधित समस्याओं का बढ़ जाता है खतरा

इस अध्ययन से पता चलता है कि हाई ब्लड प्रेशर अलग-अलग ब्रेन सेल्स में जीन में बदलाव लाने लगता है, जो सोचने और याददाश्त जैसे कॉग्निटिव क्षमताओं में रुकावट डाल सकती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया कि हाइपरटेंशन वाले मरीजों में बिना हाइपरटेंशन वाले लोगों की तुलना में कॉग्निटिव डिसऑर्डर (दिमाग से संबंधित समस्या) होने का खतरा 1.2 से 1.5 गुना ज्यादा होता है। आजकल की कई ब्लड प्रेशर की दवाएं हाई ब्लड प्रेशर को कम करने में मदद जरूर करती हैं, लेकिन वे अक्सर दिमाग के काम पर बहुत कम या कोई असर नहीं दिखाती हैं। इससे पता चलता है ब्लड प्रेशर की समस्या असल में बहुत गंभीर दुष्प्रभावों वाली हो सकती है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

न्यूयॉर्क स्थित ब्रेन एंड माइंड रिसर्च इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर और अध्ययन के प्रमुख लेखक डॉ. कोर्स्टेंटिनो इयाडेकोला कहते हैं, हमने पाया कि चूहों में हाइपरटेंशन की समस्या होने के बाद, पहले की तुलना में मस्तिष्क को स्वस्थ रखने वाली कोशिकाओं पर नकारात्मक असर पड़ा। समय के साथ ये दिमाग की कार्यक्षमता को नुकसान पहुंचाने लगती है। हाई ब्लड प्रेशर दिल और किडनी को नुकसान पहुंचाने का एक मुख्य कारण है, जिसे एंटीहाइपरटेंसिव दवाओं से रोका जा सकता है। इसलिए समय रहते ब्लड प्रेशर का इलाज और नियमित रूप से इसे कंट्रोल करने वाले तरीकों पर ध्यान देने बहुत जरूरी हो जाता है।

ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने वाले उपाय जरूरी

गौरतलब है कि मौजूदा समय में 20 वर्ष से कम उम्र के लोग भी इसका शिकार हो रहे हैं। तनाव, गलत खानपान, नींद की कमी और मोबाइल-लैपटॉप पर लंबा समय बिताने जैसी आदतें इस समस्या को और बढ़ा रही हैं। यह बीमारी धीरे-धीरे शरीर को अंदर से नुकसान पहुंचाती है, इसलिए इसे 'साइलेंट किलर' भी कहा जाता है।

राजस्थानी खूबा रोटी बनाएं और खूब चाव से खाएं

हमारे देश में एक साधारण रोटी के कई नाम, बनाने के अलग-अलग तरीके, स्वाद में बदलाव होते हैं। वैसे तो लोग साधारण रोटी खाना पसंद करते हैं, लेकिन यदि आप साधारण रोटी के स्वाद में कुछ बदलाव चाहते हैं, तो राजस्थान की एक प्रसिद्ध खूबा रोटी जरूर बनाएं।

खूबा रोटी राजस्थान की बहुत ही प्रसिद्ध और पारंपरिक रोटी है। खूबा रोटी को हर कोई बहुत ही आसानी से बना सकते हैं। खाने में बेहद स्वादिष्ट इस रोटी को साधारण रोटी से थोड़ा ज्यादा मोटा बेलकर धीमी आंच पर सेंका जाता है।

खूबा रोटी बनाने के लिए सबसे पहले गेहूं के आटे को छलनी (छलनी कैसे साफ करें) से छानकर एक बर्तन में रखें। अब इस आटे में नमक, जीरा और घी डालकर मोयन मिलाएं। सब कुछ मिक्स करने के बाद थोड़ा-थोड़ा पानी डालकर सख्त आटा गूंथ लें। गूंथे हुए आटा को कुछ देर ढककर रखें, ताकि सेट हो जाए। 10-15 मिनट बाद आटा को अच्छे से मसलकर लोई बनाएं और गैस ऑन करके तवा गर्म करने के लिए रखें। तव गर्म होने तक तक चकले (चकले से जुड़े वास्तु उपाय) में लोई रखकर मोटी रोटी बेल लें। बेलने के बाद रोटी को तवे पर डालकर धीमी आंच में पकने दें। एक तरफ जब सिक जाए तो दूसरी तरफ पलट दें। अब उंगली की मदद से रोटी के ऊपर उंगली और अंगूठे की सहायता से खाँचे या खुरचन बना लें। रोटी को अच्छे से सेंक लें और खुरचन या खाँच वाली साइड को भी पलटकर सेंक लें। गैस की आंच को धीमी रखें दोनों तरफ जब सिक जाए तो प्लेट में निकाल लें और अच्छे से घी लगाकर पंचरत्न दालके साथ खाने के लिए सर्व करें। खूबा रोटी के लिए आटा बनाते वक्त उसमे एक से दो चम्मच घी का मोयन डालने से रोटी अंदर से सिकती है, स्वाद बढ़िया और कुरकुरी लगती है। खूबा रोटी को स्वादिष्ट बनाने के लिए आटा सख्त ही गूथें। खांचे या खुरचन बनाने के तुरंत बाद न पलटे नहीं तो खांचे टूट जाएंगे। खांचे में ही आप घी लगाकर सेक सकते हैं।

वास्तु अनुसार वर्कटेबल पर क्या रखना है, यह जानें

ऐसा कई बार होता है कि हमारा काम में मन नहीं लगता है या फिर काम में अक्सर गलतियां होती हैं। कभी-कभी ऐसा होना सामान्य है, लेकिन अगर आपके साथ लगातार ऐसा हो रहा है तो ऐसे में आपको थोड़ा सतर्क हो जाना चाहिए। कभी-कभी हमारी छोटी-छोटी वास्तु मिसटेक्स के कारण काम में हमारा मन नहीं लगता है या फिर काम से जुड़ी ग्रोथ रुक जाती है।अक्सर हम ध्यान नहीं देते हैं, लेकिन वर्कटेबल पर कुछ भी रख देते हैं।

हालांकि, ऐसा करने से काम पर बहुत अधिक असर पड़ता है। आपको शायद पता ना हो, लेकिन वास्तु के अनुसार ऐसी कई चीजें होती हैं, जिन्हें वर्कटेबल पर नहीं रखना चाहिए, अन्यथा काम पर बुरा प्रभाव पड़ता है। तो चलिए आज इस लेख में वास्तुशास्त्री डॉ. आनंद भारद्वाज आपको ऐसी ही कुछ चीजों के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आपको अपनी वर्कटेबल पर नहीं रखना चाहिए-

ना रखें बेकार का सामान

कई बार हम वर्कटेबल पर ऐसी भी कई चीजें रख देते हैं, जिनका हमारे काम से कोई लेना-देना नहीं होता है या फिर वह काम कंप्लीट हो चुका होता है। ऐसे में हम फिर भी उन फाइल्स या डॉक्यूमेंट्स को टेबल पर रखते हैं। हालांकि, आपको वर्कटेबल पर इस तरह बेकार का सामान नहीं रखना चाहिए। इससे व्यक्ति का अपने काम में मन नहीं लगता है। साथ ही साथ, उसके काम में बार-बार गलतियां होने की संभावनाएं भी काफी बढ़ जाती हैं।

खराब आइटम्स से बचें

कभी-कभी कोई स्टेशनरी जैसे पेन आदि खराब हो जाते हैं या फिर कोई कंप्यूटर पार्ट या फिर इंक कार्टेज आदि सही तरह से काम नहीं करते हैं। लेकिन हम इन्हें भी वर्क टेबल पर यूं ही रहने देते हैं ताकि हम इन्हें बाद में ठीक करवा सकें। हालांकि, आपको इन्हें तुरंत ठीक करवाना चाहिए। अगर आप ऐसा नहीं कर पा रहे हैं तो इसे वर्क टेबल से हटा दें। ये जो नॉन वर्किंग चीजें होती हैं, उन्हें डेड आइटम माना जाता है। इस तरह की डेड आइटम्स आपकी कार्यक्षमता को खराब करती हैं।

कार्नर न्यूज

बढ़ती उम्र के साथ दर्द की तकलीफ करती है परेशान, अपनाएं योग

दर्द से परेशान हैं तो लीजिए योग का सहारा, आराम के साथ मिलेगी राहत

उम्र बढ़ने के साथ शारीरिक समस्याएं भी बढ़ने लगती हैं। बढ़ती उम्र में जोड़ों का दर्द, कमर दर्द होना आम बात होती है। उठने-बैठने में भी समस्या होना शुरू आ जाती है। समय रहते इसका उपचार न करने पर धीरे- धीरे ये समस्याएं इतनी बढ़ने लगती हैं कि चलने-फिरने और दैनिक कार्यों में असुविधा होने लगती है। दर्द से राहत पाने के लिए लोग दर्द निवारक दवाइयां लेने लगते हैं। इन दवाइयों से कुछ समय के लिए शरीर को आराम तो मिल जाता है, बाद में फिर परेशानियां होने लगती है। वहीं लगातार दर्द निवारक दवा का इस्तेमाल शरीर के लिए नुकसानदायक भी होता है। बढ़ती उम्र में जोड़ों के दर्द, कमर दर्द और अन्य शारीरिक परेशानियों से निजात पाने के लिए प्राकृतिक उपचार के तौर पर योगासन का नियमित अभ्यास करें। यहां बताए जा रहें कुछ योगासन का नियमित अभ्यास दर्द से राहत दिलाएगा।

सेतुबंधासन

सेतुबंधासन का अभ्यास करने के लिए पीठ के बल आराम से लेट कर अपनी हथेलियों को शरीर के पास जमीन से सटाकर रखें। अब घुटने मोड़ कर धीरे धीरे सांस लेते हुए शरीर को ऊपर की ओर उठाएं। इस स्थिति में रहते हुए सांस लें और छोड़ें। कुछ देर बाद पुरानी स्थिति में आ जाएं।

धनुरासन

धनुरासन का अभ्यास करने के लिए पेट के बल लेट कर दोनों पैरों को मोड़कर ऊपर की ओर ले जाएं। दोनों हाथों से पैरों के पंजों को पकड़कर सांस लेते हुए पैरों को ऊपर की ओर खींचें। कुछ देर इसी अवस्था में रहने के बाद सामान्य अवस्था में आ जाएं।

शवासन

इस आसन को करने के लिए सबसे पहले पीठ के बल लेटकर दोनों पैरों को आराम से फैला लें। हाथों को शरीर से 5 से 6 इंच की दूरी पर रखते हुए इसी अवस्था में गर्दन आराम दायक मुद्रा में सीधी रखे रहें। अब आंखों को बंद करके कुछ देर इसी अवस्था में रहें।

वीरभद्रासन

इस योग को करने के लिए सबसे पहले सीधी मुद्रा में खड़े होकर अपनी बाहों को फर्श के समानांतर उठाते हुए सिर को बाईं ओर मोड़ें।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

एक्टर का कंट्रोलिंग नेचर ला रहा था रिश्ते में मुश्किलें

हॉलीवुड की ग्लैमरस जोड़ी टॉम क्रूज और एना डी अरमास 9 महीने की डेटिंग के बाद अलग हो गए। दोनों ने आपसी सहमति के बाद खुद को इस रिश्ते से अलग कर लिया। टॉम क्रूज की उम्र 63 साल की है, जबकि एना डे अरमास की उम्र 37 साल है। इसी साल फरवरी में इनकी डेटिंग की खबर आई थी और जुलाई में दोनों को वरमोंट में हाथ में हाथ डाले सड़कों पर घूमते देखा गया था। बीच में खबर ये भी आ रही थी कि दोनों शादी करने वाले हैं। हालांकि, ये रिश्ता एक अप्रत्याशित मोड़ पर आकर खत्म हो गया। फैंस के लिए ये खबर काफी चौंकाने वाली थी। टॉम क्रूज ने कथित तौर पर अपने दोस्तों को बताया था कि एना ने अपने कॅरियर में आगे बढ़ने के लिए उनका इस्तेमाल किया। जबकि एना की शिकायत थी कि टॉम का रवैया बहुत ही कंट्रोलिंग था, जोकि उनको परेशान कर रहा था। रिपोर्ट्स के अनुसार, एना इस रिश्ते में खुद को ट्रैप महसूस कर रही थीं जिसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की थी। सूत्र ने जानकारी दी कि टॉम लगातार उन पर नजर रखते थे और बताते थे कि वो वर्कआउट से लेकर प्रोफेशनल डिसीजन में भी अपनी इमेज को कैसे बनाकर रखें। पहले तो एना को ये सब अच्छा लगा लेकिन बाद में उन्हें इस रिश्ते में घुटन महसूस होने लगी। उन्होंने स्पेस मांगा और टॉम को ये बात बुरी लग गई। फिर बात बिगड़ती गई। दोनों जिस स्पार्क के साथ एक साथ आए थे वह बाद में दबाव और उम्मीदों में बदल गया, जिसे एना अब और नहीं झेलना चाहती थी।

टॉलीवुड

नागा संग कैसे हैं सौतेली मां अमला अक्किनेनी के रिश्ते

अक्किनेनी नागार्जुन की पत्नी और एक्ट्रेस अमला अक्किनेनी ने सौतेले बेटे नागा चैतन्य संग अपने रिश्ते के बारे में खुलकर बात की है। अमला ने बताया है कि पहले नागा चैतन्य के साथ उनका कैसा रिश्ता था, और कब वह उन्हें करीब से जान सकीं। नागा चैतन्य एक्टर अक्किनेनी नागार्जुन और उनकी पहली पत्नी लक्ष्मी दग्गुबाती के बेटे हैं। दोनों ने साल 1984 में शादी की थी, और फिर 1990 में तलाक हो गया था। इसके बाद नागार्जुन ने अमला से 1992 में दूसरी शादी कर ली और अखिल अक्किनेनी के पिता बने। अमला अक्किनेनी ने हाल ही एक पॉडकास्ट में बताया कि जब सौतेले बेटे नागा चैतन्य बड़े हो रहे थे, तो वह कैसे उनके संपर्क में रहीं। हालांकि, यह भी कहा कि उन्हें नागा चैतन्य को जानने का मौका उनके बड़े होने पर ही मिला, खासकर तब जब वह कॉलेज जाने लगे और हैदराबाद शिफ्ट हो गए। अमला से पूछा गया कि एक पैरेंट के तौर पर चैतन्य और अखिल, दोनों पर उनका क्या प्रभाव पड़ा। जवाब में अमला अक्किनेनी ने कहा, 'नागा चैतन्य को मैं तब सही से जान पाई, जब वो जवान हो गए थे, क्योंकि उनकी मां चेन्नई में रहती थीं। वह वहीं पले-बढ़े। वह कॉलेज के लिए ही हैदराबाद आए थे। बेशक, मैं उनके साथ काफी समय से जुड़ी रही हूं, लेकिन मैं उन्हें असल में तब जान पाई जब वह हैदराबाद आए। वह एक प्यारे इंसान हैं। उनमें अपनी उम्र से कहीं ज्यादा मैच्योरिटी और समझदारी है। वह बहुत जिम्मेदार हैं। वह एक ऐसे इंसान है, जिसने कभी गलतियां नहीं कीं और हमेशा अपने पिता की बात मानते हैं। इसलिए, उनकी हमेशा अपनी प्लानिंग और सोच-समझ थी।' इसके बाद अमला अक्किनेनी ने बेटे अखिल के बारे में बात की। वह बोलीं, 'अखिल, मेरा बेटा है, और उस पर मेरा बहुत प्रभाव रहा है। हमने अपने बेटों को बहुत आजादी से पाला है। उन्हें छोटी उम्र से ही अपने फैसले खुद लेने की शिक्षा दी गई है।

भोजपुरी

दो भाई, दोनों तबाही... भवानी सिंह के पापों का होगा हिसाब!

भोजवुड में एक्शन और इमोशन वाली फिल्मों का हमेशा से दबदबा रहा है। भोजपुरी फिल्मों की एक बड़ी बात यह है कि यहां एक ही फिल्म में दर्शकों को जो रंगारंग एक्शन, दमदार ड्रामा, भरदम रोमांस, मजेदार कॉमेडी और एक से बढ़कर एक गानों का लुत्फ मिल जाता है। इन्हीं खूबियों से सजी एक और नई भोजपुरी फिल्म आ रही है 'बाप बड़ा न भैया सबसे बड़ा रुपैया', जो दो भाइयों की कहानी है। चुन्नू और मुन्नू दो भाई हैं और दोनों तबाही हैं। ट्रेलर धमाकेदार है और इसे यूट्यूब पर रिलीज कर दिया गया है। मणि शंकर प्रसाद और गोपाल पाठक के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म का ट्रेलर 'चंदा' चैनल पर रिलीज किया गया है। फिल्म में आनंद देव मिश्रा और अविनाश साही लीड रोल में हैं। एसएसपी फिल्म्स एंड एंटरटेनमेंट के बैनर तले श्वेता भारती ने 'बाप बड़ा न भैया सबसे बड़ा रुपैया' को प्रोड्यूस किया है। चार मिनट लंबे इस ट्रेलर की शुरुआत शंखनाद से होती है। एक मां जो हालात के आगे घुटने टेकने से मना कर देती है, शंख बजाती है। सामने खड़े विलेन से कहती है, 'भवानी सिंह तेरे पाप का घड़ा अब भर गया है।' कहानी में आगे हम दो भाइयों को देखते हैं। दोनों मेहनत और लगन से पुलिस में भर्ती होते हैं। एक्शन और इमोशन दोनों में इन भाइयों का जोर दिखता है। जबकि रोमांस के मामले में भी ये किसी से कम नहीं हैं।

लाइफ स्टाइल

तब्बू ने जोशीले अंदाज में किया रैंप वॉक

अबू जानी और संदीप खोसला के फैशन शो में बॉलीवुड अभिनेत्री तब्बू ब्लैक ड्रेस में पहुंचीं। उनकी ड्रेस पर सफेद कढ़ाई थी। उन्होंने अपने बाल बांधे हुए थे और अपने लुक को डार्क मेकअप से पूरा किया। उन्होंने जोशीले अंदाज में रैंप वॉक किया।

फेसवॉश के समय बिल्कुल न करें ये गलतियां

आप कहेंगे, ₹मैं अपना चेहरा रोज धोता हूं।₹ सुबह से लेकर शाम तक न जाने हम कितनी बार अपना चेहरा धो लेते हैं लेकिन, बावजूद इसके चेहरे पर कोई खास फर्क नजर नहीं दिखाई देता है। 10 में से 7 पुरुष हर रोज फेस वॉश करते समय कई गलतियां करते हैं। जैसे फेश वॉश को चुनने में गलती, कैसे उसे इस्तेमाल करना है इत्यादि। यहां जानें फेश वॉश से जुड़ी दिलचस्प बातें। अपना फेस वॉश चुनना सच में काफी मुश्किल काम है। फेश वॉश लेने से पहले आपको अपनी त्वचा का निरीक्षण करना चाहिए।

यह जानिए कि आपकी स्किन किस प्रकार की है। डॉक्टर से राय लें ताकि आप अपने चेहरे पर जो फेश वॉश लग रहा है वह कितना आपके लिए लाभदायक है। नॉर्मल से ड्राई स्किन वाले पुरुषों को हाइड्रेटिंग और क्रीमी फेस वॉश लगाना चाहिए। वहीं ऑयली और मिक्सड टेक्सचर त्वचा वाले लोगों को फोम वॉश या जेल क्लीन्जर आजमाना चाहिए और याद रखें आपके फेस वॉश का जेल फॉर्म में हो लेकिन झागदार हो।

त्वचा के गर्म और ठड़ा दोनों ही किस्म का पानी हानिकारक होता है। जब भी आप अपना चेहरा धोएं जो पानी का तापमान जरूर ध्यान में रखें क्योंकि, गर्म पानी से आपकी स्किन को नुकसान होगा तो ठंडा पानी इसे और ड्राई बना देगा। अक्सर हम चेहरा धोते हुए क्या करते हैं कि फेश वॉश हाथ में लेते हैं और झट से चेहरे पर रगड़ लेते हैं और तुरंत ही धो लेते हैं। यही आपकी पहली गलती है। जी हां, चेहरा धोते समय से फेश वॉश को लें और हल्के हाथों से इसे लगाते हुए मसाज करें। कुछ मिनटों के लिए इसे छोड़ दें और फिर नॉर्मल पानी से इसे धोएं। इससे फेश वॉश में मौजूदा गुण आपकी स्किन में आसानी से जा पाएंगे।

सिंपल सूट में चाहती हैं न्यू लुक तो स्टाइल करें ये नए डिजाइन वाले दुपट्टे

सूट के साथ दुप्पटा आपके लुक को कम्पलीट करने और स्टाइलिश बनाने के काम आता है। वैसे तो सूट के साथ आपको दुप्पटा मिलता हैं। लेकिन, अगर आप सिंपल सूट पहन रही है और इस सूट के साथ न्यू लुक चाहती हैं तो आप न्यू डिजाइन वाले दुपट्टे स्टाइल कर सकती हैं। हम आपको कुछ दुपट्टे दिखा रहे हैं जो सिंपल सूट में न्यू और स्टाइलिश लुक पाने के लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकते हैं।

सिल्क दुपट्टा

अगर आप ब्लैक और व्हाइट कलर का सूट पहन रही हैं तो आप इस तरह का सिल्क दुप्पटा स्टाइलिश लुक पाने के लिए वियर कर सकती हैं। यह दुप्पटा लाइट कलर में है और इसमें बेहद ही खूबसूरत प्रिंट करके डिजाइन बनाया गया है। इस तरह का दुप्पटा आपको कई सारे कलर ऑप्शन में मिल जाएगा जिसे आप 1,000 रुपए से कम कीमत में खरीद सकती हैं।

प्रिंटेड दुपट्टा

स्टाइलिश लुक पाने के लिए आप इस तरह का प्रिंट दुप्पटा भी सूट के साथ वियर कर सकती हैं। इस दुपट्टे में बेहद ही खूबसूरत प्रिंट करके डिजाइन बनाया गया है जो न्यू लुक पाने के लिए बेस्ट है। इस दुपट्टे को आप कई सारे डिजाइन ऑप्शन के साथ 700 से 800 रुपये में खरीद सकती हैं।

मिरर वर्क दुपट्टा

न्यू लुक के लिए आप इस तरह का मिरर वर्क दुप्पटा भी सूट के साथ स्टाइल कर सकती हैं। इस दुप्पटे में मिरर वर्क किया हुआ है साथ ही इसमें एम्ब्रॉयडरी भी की गई है जो सूट में आपके लुक को स्टाइलिश बनाने में मदद करेगा। इस दुप्पटे को आप 800 रुपये की कीमत में खरीद सकती हैं।

मल्टी कलर दुपट्टा

इस तरह का दुप्पटा भी आप व्हाइट सूट के साथ स्टाइलिश लुक पाने के लिए वियर कर सकती हैं। इस तरह दुप्पटा सिंपल सूट के साथ स्टाइल कर सकती हैं और इसे आप 500 रुपये में खरीद सकती हैं। सूट में न्यू लुक पाने के लिए आप इस तरह का दुप्पटा भी स्टाइल कर सकती हैं और इस तरह के दुप्पटे में आपक लुक बेहद ही खूबसूरत नजर आएगा।

ब्लाउज की स्लीव्स के डिजाइंस आजमाएं, नहीं दिखेगा आर्म फैट

अपने लुक को आकर्षक बनाने के लिए स्टाइलिंग को अपनी बॉडी टाइप के हिसाब से चीजों को चुनना चाहिए। इसके लिए आप सेलेब्रिटी के लुक से इंस्पायर हो सकती हैं।किसी भी लुक में चार चांद लगाने के लिए उसकी स्टाइलिंग सही तरीके से करना बेहद जरूरी होता है। इसके लिए आपको लेटेस्ट फैशन ट्रेंड को फॉलो करना चाहिए। लेटेस्ट फैशन ट्रेंड के साथ-साथ आपको अपनी बॉडी के आकार का भी खास ख्याल रखना बेहद जरूरी होता है ताकि आपका लुक आकर्षक नजर आए।

अक्सर ब्लाउज खरीदते समय हम अपनी बाजू के फैट को छुपाना चाहते हैं, लेकिन इसके लिए परफेक्ट डिजाइन का ब्लाउज नहीं खरीद पाते हैं। तो चलिए आज हम आपको दिखाने वाले हैं ब्लाउज की स्लीव्स के कुछ खास डिजाइंस जिनकी मदद से आप आसानी से आर्म फैट को छुपा पाएंगी और अपने लुक को आकर्षक बना पाएंगी।

ऑफ शोल्डर स्लीव्स

वैसे तो ऑफ शोल्डर में कई डिजाइन आपको आसानी से मिल जाएंगे, लेकिन अगर आप स्टेटमेंट लुक पाना चाहती हैं तो व्रैप स्टाइल वाले ब्लाउज को स्टाइल कर सकती हैं। लुक को कम्प्लीट करने के लिए आप किनारी लेस लगवा सकती हैं। इस तरह का ब्लाउज आप स्कर्ट से लेकर साड़ी तक के साथ स्टाइल कर सकती हैं।

पर्ल चैन स्टाइल ब्लाउज

अगर आप स्लीवलेस डिजाइन के ब्लाउज को पहनना चाहती हैं तो इस तरह से पर्ल डिजाइन की चैन लगा सकती हैं। इसके लिए आप मल्टी-लेयर में चैन लगवाएं। वहीं पर्ल के लिए आप कलरफुल मोती भी चुन सकती हैं।

साड़ी की प्लीट्स को सेट करने के आसान हैक्स संवारेंगे आपको

वहीं साड़ी पहनना कई लोगों के लिए बेहद आसान होता है, तो कई लोगों के लिए ये काफी मुश्किल टास्क भी कहलाता है। इसी बीच फैशन एक्सपर्ट डॉली जैन ने अपने सोशल मीडिया पर साड़ी की प्लीट्स बनाने के आसान तरीके अपने सोशल मीडिया पर शेयर किए हैं, जिनकी मदद लेकर आप आसानी से साड़ी बांध सकती हैं और साड़ी लुक को आकर्षक बना सकती हैं।

साड़ी की प्लीट्स बनाने का पहला आसान तरीका

साड़ी की प्लीट्स बनाने के लिए आपको अपने अंगूठे, इंडेक्स और बीच की उंगली की सहायता लेनी चाहिए। इसके बाद अंगूठे की मदद से एक-एक प्लीट्स बना लें। प्लीट्स बनाने के लिए आप जल्दबाजी बिल्कुल भी न करें अन्यथा ये खुल जाएंगी। बता दें कि इस तरह से प्लीट्स बनाने पर आपको इसे ज्यादा सेट करने की आवश्कता नहीं होगी। इन्हें सेट करने के लिए आप सेफ्टी पिंस की सहायता ले सकती हैं।

साड़ी की प्लीट्स बनाने का दूसरा आसान तरीका

साड़ी की प्लीट्स बनाने के लिए आपको अंगूठे और हाथों की सबसे छोटी उंगली का सहारा लेना होगा। इसके लिए आप इन दोनों उंगलियों की सहायता लेकर प्लीट्स बनानी चाहिए। बता दें कि आराम से ही आप अपनी कलाई को घुमाये ताकि एक-एक प्लीट्स सही तरीके से साफ नजर आए।

कार्नर न्यूज

पुरुषों के लिए बेस्ट मेकअप ट्रेंड और प्रोडक्ट जानना बेहद जरूरी

दौर पुरुषों के मेकअप का भी है, बाजार में हाजिर है आपके लिए जरूरी प्रोडक्ट

मेकअप पर सिर्फ महिलाओं का एकाधिकार खत्म हो चुका है। अब मेकअप वाला ट्रेंड पुरुषों की लाइफस्टाइल में भी एंट्री कर चुका है। ये एंट्री कुछ ऐसी हुई है कि बड़े शहरों के ज्यादातर पुरुष अब मेकअप ट्रेंड फॉलो करते हैं। 2023 में पुरुषों का मेकअप ट्रेंड ऐसा है जो उनके लुक को सच में बेहतर बनाएगा। पुरुषों के लिए इन मेकअप ट्रेंड को आप भी जानिए ताकि आपको भी अपने लुक पर मिलें फुल मार्क्स।

आइब्रो की ग्रूमिंग

मेकअप के ढेरों ट्रेंड आने के बाद भी आइब्रो के मेकअप पर अक्सर ध्यान नहीं दिया जाता है। बाकी चेहरे पर भले ही महंगे प्रोडक्ट लगा लिए जाएं लेकिन आईब्रो ऐसी ही रह जाती है। ऐसा महिलाओं के साथ भी होता है। फिर जब बात पुरुषों की हो तब तो इसे भूल ही जाइए।

लेकिन 2023 का ट्रेंड ये कहता है कि पुरुषों को मेकअप करते हुए अपनी आइब्रो के मेकअप पर भी ध्यान देना होगा। वो ब्रो पेंसिल से

खाली जगहों को भर सकते हैं तो आइब्रो को शेप भी दे सकते हैं। इससे लुक में बहुत अंतर आ जाता है।

बीबी क्रीमः बीबी क्रीम ऐसा मेकअप प्रोडक्ट है जिसे लाइटवेट फाउंडेशन, कंसीलर और मॉइश्चराइजर के तौर पर इस्तेमाल क्या जा सकता है। इसको स्किन कलर को ईवेन टोन दिखाने के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

अगर स्किन में कोई दिक्कत है तो ये बीबी क्रीम उसको भी ढक लेती है। इसका फायदा ये भी होता है कि इस क्रीम को लगाने के बाद भी लगेगा ही नहीं कि मेकअप का इस्तेमाल किया गया है। नया ट्रेंड फाउंडेशन की जगह बीबी क्रीम को पुरुषों के साथ मेकअप के साथ जोड़ता है।

मस्कारा : अभी तक पुरुषों को मस्कारा लगाते नहीं देखा जाता था। लेकिन 2023 का ट्रेंड कहता है कि पुरुष भी अपने मेकअप में मस्कारा को जोड़ सकते हैं। इससे पुरुषों के लुक में पलकें भी पूरा योगदान देंगी। मस्कारे से पुरुषों की पलकों को काफी वॉल्यूम मिल जाता है। इसके साथ पुरुष ड्रामेटिक लुक के लिए काले और भूरे रंग में से किसी एक का चुनाव कर सकते हैं।

कंसीलर : पुरुष मेकअप करेंगे तो फाउंडेशन भले ही चुन लें लेकिन कंसीलर इस्तेमाल करने का तो सोचते भी नहीं होंगे। लेकिन पुरुषों के लिए 2023 का मेकअप ट्रेंड कहता है कि उन्हें भी कंसीलर जरूर इस्तेमाल करना चाहिए।

दरअसल कंसीलर डार्क सर्कल के साथ दाग-धब्बों को भी छुपा लेता है। कंसीलर का वो शेड लें जो आपकी स्किन टोन से पूरी तरह मैच करता हो। चेहरे पर ये नेचुरल लगे, इसके लिए कंसीलर को हाथों या ब्रश से ही लगाएं।

लिप बाम : पुरुष लिपस्टिक तो नहीं लगाएंगे लेकिन फटे हुए होंठ आपका लुक जरूर बिगाड़ देंगे। इसलिए एक अच्छा लिप बाम आपके पास जरूर होना चाहिए। इनके साथ अब कलर का ऑप्शन भी आता है, इसलिए आप उनमें से भी किसी का चुनाव कर सकते हैं।